▪ आषाढ़ कृष्णा - 5 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 11 ▪ अंक - 327 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » बुधवार » 26-06-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 हार सुनिश्चित दिखती है तो कांग्रेस किसी दलित को उम्मीदवार बना देती है : चिराग पासवान

6 युवाओं की सृजनशीलता को मिटा रहे मादक पदार्थ

7 आपातकाल की 49वीं वर्षगांठ पर कंगना ने 'इमरजेंसी' का पोस्टर जारी किया

फर्स्ट टेक

राहुल गांधी लोस में होंगे कांग्रेस संसदीय दल के नेता

नई दिल्ली/एजेन्सी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी 18वीं लोकसभा में कांग्रेस संसदीय दल के नेता बनाये गये हैं। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे के आवास पर मंगलवार की शाम संसद में विपक्षी गठबंधन के घटक दलों के नेताओं की बैठक के बाद पत्रकारों को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी ने लोकसभा में गांधी को सदन में कांग्रेस का नेता नियुक्त किया है और इसकी जानकारी प्रोटेम स्पीकर भतृहरि महताब को दे दी गई है।

यूक्रेन, मोल्दोवा यूरोपीय संघ की सदस्यता के लिए वार्ता शुरू करेंगे

ब्रसेल्स/एपी। यूक्रेन यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ समूह की सदस्यता के लिए आधिकारिक तौर पर वार्ता शुरू करने जा रहा है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने इसे अपने देश के नागरिकों के लिए सपना सच होने जैसा बताया है। रूस के साथ यूक्रेन के युद्ध के दो साल से अधिक समय बाद यह वार्ता शुरू होने जा रही है। यूक्रेन की यूरोपीय मामलों की उप प्रधानमंत्री ओल्गा स्टेफनिशिना लक्जमबर्ग में एक अंतर-सरकारी सम्मेलन में अपने देश के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगी। इसके साथ यूक्रेन के कानूनों और मानकों को 27 देशों के समूह के अनुरूप बनाने के लिए वार्ता की आधिकारिक शुरुआत होगी। मोल्दोवा भी ईयू में आधिकारिक तौर पर शामिल होने की प्रक्रिया शुरू करने के लिए एक अलग अंतर-सरकारी सम्मेलन में भाग लेगा।

जम्मू से वैष्णो देवी मंदिर तक हेलीकॉप्टर सेवा शुरू

कटरा/जम्मू/भाषा। जम्मू से माता वैष्णो देवी मंदिर तक मंगलवार को सीधी हेलीकॉप्टर सेवा शुरू हो गई जिससे समय की कमी के कारण एक दिन के भीतर ही इस पवित्र मंदिर में दर्शन की इच्छा रखने वाले तीर्थयात्रियों को काफी सुविधा होगी। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। यह हेलीकॉप्टर सेवा रियासी जिले में त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित प्रसिद्ध मंदिर में जाने वाले तीर्थयात्रियों के लिए आधार शिविर और मंदिर के पास सांझी छत के बीच पहले से ही उपलब्ध हेलीकॉप्टर सेवा के अतिरिक्त है, जिनका एक तरफ का किराया 2,100 रुपये प्रति व्यक्ति है। जम्मू से इस सेवा का विकल्प चुनने वाले तीर्थयात्रियों के पास दो पैकेज के विकल्प उपलब्ध होंगे। इसमें उसी दिन वापसी के लिए प्रति यात्री 35,000 रुपये और अगले दिन वापसी के लिए प्रति व्यक्ति 60,000 रुपये लगेंगे। अधिकारियों ने बताया कि नई सेवा की शुरुआत के अवसर पर तीर्थयात्रियों को लेकर पहला हेलीकॉप्टर सुबह करीब 11 बजे जम्मू हवाई अड्डे से रवाना हुआ।

सूर्यास्त 26-06-2024	सूर्योदय 27-06-2024
6:38 बजे	5:45 बजे

BSE	NSE
78,053.52 (+712.45)	23,721.30 (+183.45)

सोना	चांदी
7,387 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	96,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

जमानती खेल

कौन जमानत दे किसको,
सारे रिमांड पर चढ़े हुए।
कब्रों से मुर्दे जिन्न हुए,
जो थे चित्रों में मढ़े हुए।
ईडी हो या सीबीआई,
सबके सवाल हैं गढ़े हुए।
वे स्वयं अँगूठा दिखा रहे,
जो कानूनों को पढ़े हुए।।

आबकारी 'घोटाला' :

उच्च न्यायालय ने अरविंद केजरीवाल को मिली जमानत पर रोक लगाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ निचली अदालत के न्यायाधीश ने विवादित आदेश पारित करते समय रिकॉर्ड पर प्रस्तुत सामग्री/दस्तावेजों और ईडी द्वारा उठाए गए तर्कों का उचित आकलन नहीं किया।

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जमानत देने के निचली अदालत के आदेश पर मंगलवार को रोक लगा दी। न्यायमूर्ति सुधीर कुमार जैन की अवकाशकालीन पीठ ने कहा कि निचली अदालत प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा उसके समक्ष पेश की गई सामग्री का उचित आकलन करने में विफल रही और उसने आम आदमी पार्टी नेता की जमानत याचिका पर फैसला करते समय विवेक का इस्तेमाल नहीं किया। पीठ ने कहा कि जमानत आदेश को लेकर ईडी की आपत्तियों पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है।

इसने कहा कि निचली अदालत के न्यायाधीश ने विवादित आदेश पारित करते समय रिकॉर्ड पर प्रस्तुत सामग्री/दस्तावेजों और ईडी द्वारा उठाए गए तर्कों का उचित आकलन नहीं किया। पीठ ने कहा कि धारा 439(2) के तहत याचिका में दी गई दलीलों/आधारों पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है।

उच्च न्यायालय ने कहा, ''तदनुसार, वर्तमान आवेदन स्वीकार किया जाता है और विवादित आदेश के क्रियान्वयन पर रोक लगाई जाती है।''

निचली अदालत की न्यायाधीश, न्याय बिंदु ने 20 जून को केजरीवाल को जमानत दे दी थी और एक लाख रुपये के निजी मुचलके पर रिहा करने का आदेश दिया था। ईडी ने अगले दिन उच्च न्यायालय का रुख किया और दलील दी कि निचली अदालत का आदेश ''त्रुटिपूर्ण, एकतरफा और गलत'' था तथा उसे मामले पर बहस करने का पर्याप्त अवसर दिए बिना पारित कर दिया गया।

आपातकाल लगाने वालों को संविधान के प्रति प्रेम जाहिर करने का कोई अधिकार नहीं : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ केवल सत्ता से चिपके रहने के लिए तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने प्रत्येक लोकतांत्रिक सिद्धांत की अवहेलना की और राष्ट्र को कारागार बना दिया। जो भी व्यक्ति कांग्रेस से असहमत होता था, उसे प्रताड़ित किया जाता था। सबसे कमजोर वर्गों को निशाना बनाते हुए सामाजिक रूप से उन्हें नुकसान पहुंचाने वाली नीतियां शुरू की गईं।

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि जिन लोगों ने आपातकाल लागू कर बुनियादी स्वतंत्रताओं को नष्ट किया और भारत के संविधान को कुचला, उन्हें संविधान के प्रति प्रेम जाहिर करने का कोई अधिकार नहीं है।

आपातकाल की बरसी पर मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक के बाद एक पोस्ट में कहा कि जिस मानसिकता के कारण देश में आपातकाल लगाया गया था, वह आज भी उस पार्टी में जीवित है जिसने इसे लागू किया था। उन्होंने कहा, वे अपने प्रतीकवाद के माध्यम से संविधान के प्रति अपने तिरस्कार को छिपाते हैं, लेकिन भारत के लोगों ने उनकी हरकतों को देखा है और इसीलिए उन्होंने उन्हें बार-बार खारिज किया है।

मोदी ने कहा कि आज का दिन उन सभी महापुरुषों और महिलाओं को श्रद्धांजलि देने का है जिन्होंने आपातकाल का विरोध किया था। उन्होंने कहा, जिन लोगों ने आपातकाल लगाया, उन्हें हमारे संविधान के प्रति अपने प्रेम को जाहिर करने का कोई अधिकार नहीं है। ये वही लोग हैं जिन्होंने असंख्य मौकों पर अनुच्छेद 356 लगाया, प्रेस की स्वतंत्रता को नष्ट करने के लिए एक विधेयक लेकर आए, संघवाद को नष्ट किया और संविधान के हर पहलू का उल्लंघन किया। उन्होंने कहा, आपातकाल के काले दिन हमें याद दिलाते हैं कि कैसे कांग्रेस पार्टी ने बुनियादी स्वतंत्रताओं को नष्ट किया और भारत के उस संविधान को कुचला जिसका हर भारतीय बहुत सम्मान करता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि केवल सत्ता से चिपके रहने के लिए तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने प्रत्येक लोकतांत्रिक सिद्धांत की अवहेलना की और राष्ट्र को कारागार बना दिया। उन्होंने कहा, जो भी व्यक्ति कांग्रेस से असहमत होता था, उसे प्रताड़ित किया जाता था। सबसे कमजोर वर्गों को निशाना बनाते हुए सामाजिक रूप से उन्हें नुकसान पहुंचाने वाली नीतियां शुरू की गईं।

साल 1975 में 25-26 जून की दरम्यानी रात से 21 मार्च 1977 तक (21 महीने के लिए) भारत में आपातकाल घोषित किया गया था।

तत्कालीन राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद ने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कहने पर भारतीय संविधान की धारा 352 के अधीन आपातकाल की घोषणा की थी।

लोकसभा अध्यक्ष चुनाव में बिरला और सुरेश आमने- सामने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि यदि विपक्ष को उपाध्यक्ष पद दिया जाता है तो वह लोकसभा अध्यक्ष के पद के लिए सत्ता पक्ष के साथ सर्वसम्मति के लिए तैयार है।

नई दिल्ली/एजेन्सी। लोकसभा अध्यक्ष के पद को लेकर सत्तारूढ जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) और विपक्षी इंडी गठबंधन के बीच आम सहमति नहीं बनने से आजाद भारत के इतिहास में तीसरी बार लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव की स्थिति बन रही है जिसमें सत्ता पक्ष की ओर से पिछले अध्यक्ष ओम बिरला और विपक्ष की ओर से के सुरेश आमने-सामने हैं।

राजस्थान की कोटा संसदीय सीट से लगातार तीसरी बार जीतकर आये भारतीय जनता पार्टी के ओम बिरला ने सत्ता पक्ष की ओर से जबकि कांग्रेस के केरल से जीतकर आये आठ बार के सांसद सुरेश ने विपक्ष की ओर से नामांकन पत्र दायर किया है।

संसदीय परंपराओं के अनुसार लोकसभा अध्यक्ष को सर्वसम्मति से चुना जाता रहा है और यह पद सत्तापक्ष के पास रहता है जबकि उपाध्यक्ष पद अमूमन विपक्ष के पास रहता है। इसी परंपरा के तहत अठाहरवीं लोकसभा के लिए अध्यक्ष पद को लेकर सत्ता पक्ष की ओर से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विपक्ष से सर्वसम्मति बनाने के बारे में बातचीत की थी लेकिन विपक्ष की ओर से इसके बदले में उपाध्यक्ष पद उसे दिये जाने की मांग की गयी।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि यदि विपक्ष को उपाध्यक्ष पद दिया जाता है तो वह लोकसभा अध्यक्ष के पद के लिए सत्ता पक्ष के साथ सर्वसम्मति के लिए तैयार है। उन्होंने कहा , मुझे अखबारों के जरिए पता चला है कि प्रधानमंत्री ने विपक्ष से सरकार के साथ रचनात्मक सहयोग करने को कहा है। खड़गे जी को राजनाथ सिंह जी का फोन आया था जिसमें उन्होंने स्पीकर का समर्थन करने को कहा था। पूरे विपक्ष ने कहा कि हम सत्ता पक्ष का समर्थन करेंगे लेकिन परंपरा यह है कि उपाध्यक्ष का पद विपक्ष को दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सत्ता पक्ष की ओर से अभी इस बारे में कोई बात नहीं की गयी है।

सेंसेक्स ने लांघा 78,000 अंक का स्तर, निफ्टी भी रिकॉर्ड ऊंचाई पर

मुंबई/भाषा। एशियाई बाजारों के मजबूत रुख के बीच रिलायंस इंडस्ट्रीज सहित बड़ी कंपनियों के शेयरों में खरीदारी से मंगलवार को प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स ने पहली बार ऐतिहासिक 78,000 अंक के स्तर को पार किया। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी नए सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया। इस दौरान 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 712.44 अंक या 0.92 प्रतिशत उछलकर 78,053.52 अंक पर बंद हुआ। दिन में कारोबार के दौरान सेंसेक्स 823.63 अंक या एक प्रतिशत बढ़कर 78,164.71 अंक के नए सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंचा था। निफ्टी 183.45 अंक या 0.78 प्रतिशत बढ़कर 23,721.30 के रिकॉर्ड उच्चस्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 216.3 अंक या 0.91 प्रतिशत चढ़कर 23,754.15 अंक पर पहुंच गया था।

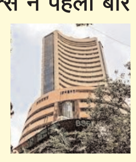

तमिलनाडु सरकार जनवरी 2026 तक विभागों में 75,000 रिक्तियों को भरेगी : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु सरकार जनवरी 2026 तक विभिन्न सरकारी विभागों में लगभग 75,000 रिक्तियों को भरेगी। मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने मंगलवार को विधानसभा को सूचित किया। उन्होंने लोगों, खासकर युवाओं से इस अवसर का लाभ उठाने की अपील की। इससे साफ है कि सरकार ने राज्य में अगले विधानसभा चुनाव से पहले अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए 18 माह की समय सीमा तय की है।

विधानसभा में नियम 110 के तहत बयान देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 18 माह के भीतर लगभग 17,595 रिक्तियां तमिलनाडु लोक सेवा आयोग के माध्यम से, 19,260 पद तमिलनाडु शिक्षक भर्ती बोर्ड के माध्यम से, 3,041 पद चिकित्सा सेवा भर्ती बोर्ड के माध्यम से और 6,688 पद तमिलनाडु यूनिफॉर्म सेवा भर्ती बोर्ड के माध्यम से भरे जाएंगे। उन्होंने कहा कि समाज कल्याण, नगर प्रशासन और जल आपूर्ति विभागों में 30,219 रिक्तियां भी भरी जाएंगी।

मुलाकात

पूर्वी लद्दाख में सीमा विवाद को लेकर भारत-चीन संबंधों में जारी तनाव के बीच, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने द्विपक्षीय संबंधों में स्थिरता लाने एवं इसमें प्रगति के ''साझा हित'' पर ध्यान केंद्रित करने के लिए मंगलवार को चीनी राजदूत शु फेइहोंग से मुलाकात की। जयशंकर ने न्यूजीलैंड और श्रीलंका के दूतों से भी अलग-अलग मुलाकात की। विदेश मंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''आज शाम चीन के राजदूत शु फेइहोंग से मुलाकात की। हमारे द्विपक्षीय संबंधों में स्थिरता लाने और इसमें प्रगति के 'साझा हित' पर चर्चा की। उन्हें सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं।''

अठारहवीं लोकसभा : राहुल, अखिलेश, बिरला और सुप्रिया सुले समेत कई सदस्यों ने ली शपथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अठारहवीं लोकसभा के पहले सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को ओम बिरला, राहुल गांधी, अखिलेश यादव, सुप्रिया सुले, सुदीप बंदोपाध्याय, अभिषेक बनर्जी, असदुद्दीन ओवैसी और संबित पात्रा समेत अनेक नवनिर्वाचित सदस्यों ने निचले सदन की सदस्यता की शपथ ली। कांग्रेस सदस्य राहुल गांधी ने अंग्रेजी में शपथ ली। शपथ के वक्त उनके हाथ में संविधान की प्रति थी। उन्होंने शपथ लेने के बाद पोडियम से 'जय हिंद, जय संविधान' के नारे लगाये।

समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी लोकसभा की सदस्यता की शपथ ली। उत्तर प्रदेश के कन्नौज से निचले सदन के लिए निर्वाचित यादव ने भी शपथ के वक्त अपने हाथ में संविधान की प्रति ले रखी थी। अखिलेश यादव के अलावा उनकी पत्नी एवं मैनपुरी की नवनिर्वाचित सदस्य डिंपल यादव ने भी शपथ ली।

अखिलेश यादव ने जब शपथ ली तो विपक्ष के सदस्यों ने मेज थपथपाकर खुशी का इजहार किया। धारावाहिक रामायण में भगवान राम के किरदार से मशहूर हुए मेरठ के नवनिर्वाचित भाजपा सांसद अरुण गोविल और मथुरा से पुन: सांसद निर्वाचित हुईं भाजपा सदस्य हेमा मालिनी ने भी लोकसभा की सदस्यता ग्रहण की।

सदन में भोजनावकाश से पहले पंजाब के सदस्यों को जब शपथ दिलाई जा रही थी, उस दौरान लोकसभा महासचिव ने डिब्रूगढ़ की जेल में बंद कथित खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह का नाम शपथ लेने के लिए पुकारा। हालांकि खडूर साहिब सीट से निर्वाचित हुए सिंह सदन में उपस्थित नहीं थे।

हाथ में संविधान की प्रति लेकर राहुल ने ली शपथ

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को लोकसभा सदस्य के रूप में शपथ ली और इस दौरान उन्होंने अपने हाथ में संविधान की प्रति ले रखी थी। राहुल गांधी ने अंग्रेजी भाषा में शपथ ली। शपथ के बाद उन्होंने 'जय हिंद, जय संविधान' का नारा भी लगाया। राहुल गांधी इस बार उत्तर प्रदेश के रायबरेली लोकसभा क्षेत्र से निर्वाचित हुए हैं। इससे पहले वह लोकसभा में केरल के वायनाड और उत्तर प्रदेश के अमेठी का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। शपथ के लिए जब राहुल गांधी का नाम पुकारा गया तो कांग्रेस के सदस्य अपने स्थान पर खड़े हो गए और 'जोड़ो जोड़ो, भारत जोड़ो' के नारे लगाने लगे।

'रामायण के राम' ने ली संस्कृत में शपथ

नई दिल्ली/भाषा। उत्तर प्रदेश के मेरठ संसदीय क्षेत्र से निर्वाचित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद अरुण गोविल ने मंगलवार को लोकसभा की सदस्यता की शपथ संस्कृत भाषा में ली। जब शपथ के लिए अरुण गोविल का नाम पुकारा गया तो सत्तापक्ष के कुछ सदस्यों ने 'जय श्री राम' का नारा लगाया। गोविल ने टेलीविजन के मशहूर धारावाहिक 'रामायण' में भगवान राम की भूमिका निभाई थी। गौतमबुद्ध नगर लोकसभा क्षेत्र से निर्वाचित भाजपा सांसद महेश शर्मा ने भी संस्कृत में शपथ ली।

एक खास परिवार को सत्ता में बनाए रखने के लिए

कांग्रेस ने संविधान की भावना को कई बार कुचला : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ देश में लोकतंत्र की हत्या और उस पर बार-बार आघात करने का कांग्रेस का लंबा इतिहास रहा है।

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने देश में आपातकाल लगाने के लिए मंगलवार को कांग्रेस पर निशाना साधा और कहा कि विपक्षी दल ने 'एक खास परिवार को सत्ता में बनाए रखने' के लिए संविधान की भावना को कई बार कुचला।

साल 1975 में देश में लगाए गए आपातकाल के 49 साल पूरे होने के मौके पर शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए उन्हें पार्टी का 'युवराज' करार दिया और कहा कि वह भूल गए हैं कि उनकी दादी इंदिरा गांधी ने आपातकाल लगाया था और उनके पिता राजीव गांधी ने संसद में 23 जुलाई 1985 को कहा था कि आपातकाल में कुछ भी गलत नहीं था। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''एक खास परिवार को सत्ता में बनाए रखने के लिये कांग्रेस ने हमारे संविधान की भावना को कई बार कुचला। इंदिरा गांधी ने आपातकाल के दौरान भारत के लोगों पर निर्मम अत्याचार किए।'' उन्होंने कहा, ''राजीव गांधी ने तो यहां तक कहा था, अगर इस देश का कोई प्रधानमंत्री जो यह महसूस करता है कि इन परिस्थितियों में आपातकाल जरूरी है और फिर वह आपातकाल लागू नहीं करता है, तो वह इस देश का प्रधानमंत्री बनने के योग्य नहीं है। तानाशाही कृत्य पर गर्व करना यह दिखाता है कि कांग्रेस के लिए परिवार और सत्ता के अलावा कुछ भी प्रिय नहीं है।''

शाह ने इससे पहले एक अलग पोस्ट में कहा, ''देश में लोकतंत्र की हत्या और उस पर बार-बार आघात करने का कांग्रेस का लंबा इतिहास रहा है। साल 1975 में आज के ही दिन कांग्रेस द्वारा लगाया गया आपातकाल इसका सबसे बड़ा उदाहरण है।'' उन्होंने कहा कि अहंकार में डूबी, निरंकुश कांग्रेस सरकार ने एक परिवार के सत्ता सुख के लिए 21 महीनों तक देश में सभी प्रकार के नागरिक अधिकार निलंबित कर दिए थे, मीडिया पर सेंसरशिप लगा दी थी।

प्रधानमंत्री मोदी की अगले महीने मॉस्को यात्रा की संभावनाओं पर विचार कर रहे हैं रूस और भारत

नई दिल्ली/भाषा। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ व्यापक बातचीत करने के लिए जुलाई की शुरुआत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मॉस्को की संक्षिप्त यात्रा की संभावना पर भारत और रूस विचार कर रहे हैं। राजनयिक सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अगर दौरा होता है तो करीब पांच वर्षों में भारतीय प्रधानमंत्री का यह पहला रूस दौरा होगा। मोदी ने सितंबर 2019 में आर्थिक संगोष्ठी में हिस्सा लेने के लिए रूस के सुदूर पूर्वी शहर व्लादिवोस्तोक का दौरा किया था।

भारत की ओर से मोदी के संभावित दौरे को लेकर किसी प्रकार की कोई पुष्टि नहीं की गयी है। लेकिन क्रेमलिन के एक अधिकारी ने बताया कि मोदी के रूस दौरे को लेकर तैयारियां की जा रही हैं। रूसी राष्ट्रपति के सहायक यूरी उशाकोव ने कहा ''मैं इस बात की पुष्टि कर सकता हूं कि हम भारतीय प्रधानमंत्री के दौरे की तैयारियां कर रहे हैं। हम तरीख नहीं बता सकते हैं क्योंकि इसकी घोषणा सहमति बनने के बाद पक्षकारों द्वारा की जाती है।'' एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, ''लेकिन हम जोरशोर से तैयारी कर रहे हैं। मैं एक बार फिर जोर देकर कहना चाहता हूं कि यह दौरा होगा।''

पीएलआई योजना के दायरे में परिधान क्षेत्र को भी लाने पर विचार: कपड़ा मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पीएलआई योजना के दायरे में परिधान क्षेत्र को भी लाने पर विचार: कपड़ा मंत्री

नई दिल्ली/भाषा। कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने मंगलवार को कहा कि सरकार कपड़ा उद्योग के लिए स्वीकृत 10,000 करोड़ रुपये से अधिक की 'उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन' (पीएलआई) योजना का विस्तार परिधान क्षेत्र तक करने पर भी विचार कर रही है।

सिंह ने यहां 'भारत अंतरराष्ट्रीय परिधान मेला' (आईआईजीएफ) को संबोधित करते हुए कहा कि कपड़ा निर्यात बढ़ाने के लिए अपार अवसर हैं और उद्योग को आने वाले वर्षों में 50 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य के निर्यात का लक्ष्य रखना चाहिए। सरकार ने वर्ष 2021 में मानव-निर्मित रेशे (एमएमएफ) से बने परिधान, एमएमएफ कपड़े और तकनीकी वस्त्रों के उत्पादों का घरेलू उत्पादन बढ़ाने के लिए पांच साल की अवधि में 10,683 करोड़ रुपये के स्वीकृत परिव्यय के साथ कपड़ा क्षेत्र के लिए पीएलआई योजना को मंजूरी दी थी।

सिंह ने कहा, ''हम आपके (परिधान) क्षेत्र को भी इस योजना के दायरे में लाने पर विचार कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि भारतीय कपड़ा उद्योग का बाजार लगभग 165 अरब डॉलर का है और इसे 350 अरब डॉलर तक ले जाना है। उन्होंने कहा कि मंत्रालय इस क्षेत्र में चीन से आगे निकलने के लिए एक रूपरेखा तैयार कर रहा है। मंत्री ने उद्योग को घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए 'हब और स्पोक' मॉडल को अपनाने का सुझाव भी दिया। उन्होंने कहा, ''मैं उद्योग की बड़ी कंपनियों से भारत में छोटी कंपनियों के साथ जुड़ाव कायम करने की अपील करता हूं। मंत्रालय उनके मुद्दों को समझने के लिए बड़ी कंपनियों के साथ बैठकें करेगा।''

उन्होंने ई-कॉमर्स माध्यम से निर्यात बढ़ाने के अवसर तलाशने का भी आह्वान किया। पिछले साल ई-कॉमर्स के जरिये अंतरराष्ट्रीय व्यापार करीब 800 अरब डॉलर का था और 2030 तक इसके 2,000 अरब डॉलर पर पहुंचने का अनुमान है। इसके साथ ही कपड़ा मंत्री ने उद्योग को वैश्विक ब्रांड का आपूर्तिकर्ता बनने के बजाय अपने खुद के ब्रांड स्थापित करने का सुझाव दिया। उन्होंने हरित वस्त्र और पुनर्चक्रण पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह भी दी।

दिल्ली जलसंकट: आतिशी अस्पताल में भर्ती, अनशन हुआ खत्म

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय राजधानी में पानी की कमी के बीच दिल्ली के लिए पानी छोड़ने की मांग को लेकर दिल्ली की जल मंत्री आतिशी का अनिश्चितकालीन अनशन मंगलवार तड़के उनकी सेहत बिगड़ने के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती कराये की वजह से समाप्त हो गया।

दिल्ली सरकार में कई मंत्रालयों की जिम्मेदारी संभाल रहीं आतिशी को लोक नायक जयप्रकाश (एलएनजेपी) अस्पताल के आपातकालीन आईसीयू (सघन चिकित्सा इकाई) में भर्ती कराया गया है और उनकी हालत अब स्थिर है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आतिशी के अच्छे स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना की। साथ ही यह भी कहा, उन्हें जनता को गुमराह करना बंद करना चाहिए। आतिशी के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी देते हुए अस्पताल के चिकित्सा निदेशक डॉ. सुरेश कुमार ने कहा कि उनकी हालत स्थिर है, लेकिन वह आईसीयू में हैं।

वरिष्ठ चिकित्सक ने कहा, कल शाम को शर्करा स्तर गिरने और उनके मूत्र में कीटोन की मौजूदगी का पता चलने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती होने की सलाह दी गई थी। उन्होंने अस्पताल में भर्ती होने से इनकार कर दिया था। हालांकि, आधी रात को उनकी हालत बिगड़ने लगी और उन्हें सुस्ती आने लगी, जिसके बाद उन्हें भर्ती कराया गया। फिलहाल उनकी हालत स्थिर है और उन्हें आईसीयू में रखा गया है। उनके खून की जांच की जा रही है।

चिकित्सक ने बताया कि उन्हें पानी दिया जा रहा है और वह अंत:शिरा उपचार (इन्ट्रावेनस थेरेपी) पर हैं। उनका शर्करा स्तर कम होकर 36एमजी/डीएल पर पहुंच गया है। उन्होंने कहा, मस्तिष्क की कोशिकाओं को ग्लूकोज की आवश्यकता होती है और यदि ग्लूकोज उस तक नहीं पहुंचता है, तो यह सुस्ती और बेहोशी का कारण बनता है। यदि समय पर चिकित्सा मुहैया नहीं करायी जाए तो, रोगी 'हाइपोग्लाइसेमिक कोमा' में जा सकता है। रक्त शर्करा के स्तर में गिरावट से कई अंग काम करना बंद कर सकते हैं। समय पर समाधान नहीं होने पर हाइपोग्लाइसीमिया मस्तिष्क की कोशिकाओं और अन्य अंगों के लिए एक चिकित्सा आपातकाल है। रक्त में सामान्य शर्करा का स्तर 70 एमजी/डीएल और 100 एमजी/डीएल के बीच होना चाहिए। आतिशी ने अनशन 21 जून से शुरू किया था। आप के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने कहा कि मंत्री ने अस्पताल में भर्ती होने के बाद अपना अनिश्चितकालीन अनशन समाप्त कर दिया।

भारत के साथ व्यापक मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत जारी: ऑस्ट्रेलियाई उप उच्चायुक्त

कोलकाता/भाषा। भारत में ऑस्ट्रेलिया के उप-उच्चायुक्त निकोलस मैकेफ्री ने मंगलवार को कहा कि भारत के साथ व्यापक मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) करने के लिए बातचीत का सिलसिला जारी है। मैकेफ्री ने यहां भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के एक कार्यक्रम में कहा कि भारत के साथ इस समय आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौता (ईसीटीए) लागू है लेकिन ऑस्ट्रेलिया इसका दायरा एवं प्रभाव बढ़ाने के लिए इसे उन्नत रूप देना चाहता है। उन्होंने कहा, ''लोकसभा चुनाव खत्म हो जाने पर ऑस्ट्रेलिया भारत के साथ एक व्यापक मुक्त व्यापार समझौता करने के लिए भारतीय अधिकारियों के साथ बातचीत कर रहा है।'' उन्होंने दोनों देशों के आर्थिक संबंधों में उल्लेखनीय वृद्धि पर जोर देते हुए कहा कि पिछले दशक में द्विपक्षीय व्यापार दोगुना होकर 26 अरब डॉलर हो गया है। मैकेफ्री ने कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के आर्थिक संबंध एक दूसरे की पूरक भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच सीधी उड़ानों की बढ़ती संख्या मजबूत संबंधों का सबूत है।

उद्योग जगत ने बजट में कर कटौती, शुल्क ढांचे को युक्तिसंगत बनाने की मांग रखी

नई दिल्ली/भाषा। अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न उद्योगों के प्रतिनिधियों ने वित्त मंत्री सीतारमण से अप्रत्यक्ष करों के बोझ को कम करने और जरूरी होने पर शुल्क ढांचे को युक्तिसंगत बनाने का आग्रह किया। वित्त मंत्री के साथ उद्योग जगत के विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों की बजट-पूर्व परामर्श बैठक लगभग दो घंटे तक चली। इसमें प्रतिनिधियों ने अपने-अपने उद्योगों के बारे में सरकार से बजट में जरूरी प्रावधान किए जाने की मांग रखी। निर्यातकों के संगठन फियो के अध्यक्ष अश्वनी कुमार ने वित्त मंत्री से ब्याज समानीकरण योजना को अगले पांच वर्षों के लिए बढ़ाने का अनुरोध भी किया। यह योजना 30 जून, 2024 तक वैध है। कुमार ने कहा, ''हम इस योजना को पांच साल के लिए बढ़ाने का अनुरोध करते हैं। बीते दो साल में रेपो दर 4.4% से बढ़कर 6.5% हो जाने से ब्याज दरें बढ़ गई हैं। ऐसी स्थिति में एमएसएमई क्षेत्र के निर्माताओं के लिए छूट दरों को 3% से 5% तक बहाल किया जा सकता है।'' कुमार ने विदेशी मालवहन पर निर्भरता कम करने और विदेशी मुद्रा बचाने के लिए वैश्विक ख्याति वाली भारतीय पोत परिवहन लाइन की स्थापना का भी आग्रह किया।

विधानसभा अध्यक्ष मुझे नेता प्रतिपक्ष के तौर पर मान्यता दें : जगनमोहन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती (आंध्र प्रदेश)/भाषा। वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष और आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी ने मंगलवार को राज्य विधानसभा अध्यक्ष सी. अय्याना पात्रुडु से उन्हें नेता प्रतिपक्ष और उनकी पार्टी को मुख्य विपक्षी दल के रूप में मान्यता देने का अनुरोध किया। रेड्डी ने विधानसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर यह अनुरोध किया।

वाईएसआर कांग्रेस पार्टी द्वारा 'पीटीआई-भाषा'से साझा किए गए पत्र में रेड्डी ने कहा, ''कानून बाध्य करता है कि विपक्ष में जिस भी दल को सबसे अधिक सीट मिली है, उसे मुख्य विपक्षी दल के तौर पर मान्यता दी जानी चाहिए।'' उन्होंने दावा किया कि कोई कानून नहीं कहता कि मुख्य विपक्षी पार्टी का दर्जा देने के लिए विधानसभा के कुल सदस्यों में से कम से कम 10 प्रतिशत उसके सदस्य होने चाहिए। रेड्डी ने कहा कि इस परिपाटी का पालन संसद या राज्य विधानसभा में नहीं किया जाता है। पूर्व मुख्यमंत्री के मुताबिक हाल में सभी मंत्रियों को विधानसभा सदस्य की शपथ दिलाने के बाद उन्हें सदन की सदस्यता का शपथ दिलाना परंपराओं के खिलाफ है। उन्होंने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा), भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनसेना ने तय कर लिया है कि उन्हें नेता प्रतिपक्ष का दर्जा नहीं दिया जाए। रेड्डी ने कहा, ''सत्तारूढ़ गठबंधन और विधानसभा अध्यक्ष ने पहले ही मेरे प्रति अपने द्वेष को प्रकट कर दिया है। एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें विधानसभा अध्यक्ष मुझे पीट पीटकर मारने की बात कर रहे हैं।''

वाइएसआर कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष ने कहा, ''इस पृष्ठभूमि में मुझे नहीं लगता कि सदन में मुझे बोलने दिया जाएगा। मुख्य विपक्षी दल का दर्जा देने से ही हम जनता की आवाज सदन में उठाने में सक्षम होंगे।'' उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष ने इन परिस्थितियों पर गौर करने और निर्णय लेने का अनुरोध किया।

टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स, सिनोप्सिस ने धोलेरा सेमीकंडक्टर संयंत्र के लिए गठजोड़ किया

नई दिल्ली/भाषा। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स ने मंगलवार को कहा कि उसने धोलेरा में स्थापित किए जा रहे अपने सेमीकंडक्टर संयंत्र के लिए अमेरिका की सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी सिनोप्सिस के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

यह समझौता प्रोसेस टेक्नोलॉजी और फाउंड्री डिजाइन मंच के लिए है।

टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स गुजरात के धोलेरा में 91,000 करोड़ रुपये के कुल निवेश से सेमीकंडक्टर वेफर फैब्रिकेशन संयंत्र का निर्माण कर रही है।

टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) रणधीर ठाकुर ने कहा, ''हम सिनोप्सिस को सेमीकंडक्टर डिजाइन और सेवाओं में उनकी विशेषज्ञता के कारण अपनी यात्रा में एक प्रमुख भागीदार और प्रेरक के रूप में देखते हैं।''

परिधान क्षमता को एक-तिहाई बढ़ाने में जुटी रेमंड : सिंघानिया

नई दिल्ली/भाषा। अग्रणी परिधान विनिर्माता रेमंड अपनी क्षमता में एक-तिहाई का विस्तार कर रही है, जिससे वह दुनिया में सूट की तीसरी बड़ी उत्पादक बन जाएगी और वैश्विक बाजार में स्थिति मजबूत करने में भी मदद मिलेगी। कंपनी नए बाजारों के लिए अपने उत्पादों की शृंखला का विस्तार करेगी और ग्राहकों की संख्या बढ़ाने पर भी काम कर रही है। उसके कारोबार में महिला परिधानों की सिलाई और महंगे दाम वाले 'कैजुअल' कपड़े भी शामिल हैं।

रेमंड की नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट में इसका उल्लेख किया गया है। कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक गौतम हरि सिंघानिया ने कंपनी के शेयरधारकों को संबोधित करते हुए कहा कि यह सरकार की 'मेक इन इंडिया' पहल के साथ भी पूरी तरह मेल खाता है। उन्होंने कहा, ''विनिर्माण के केंद्र के रूप में वैश्विक कंपनियों की चीन प्लस वन रणनीति हमारे पक्ष में काम करती हुई नजर आ रही है। भारत एक पसंदीदा सोर्सिंग गंतव्य बना हुआ है।'' सिंघानिया ने कहा कि रेमंड अपनी मौजूदा परिधान क्षमता को एक-तिहाई तक बढ़ा रही है। उन्होंने कहा, ''जब विस्तारित क्षमता पूरी तरह से चालू हो जाएगी, तो रेमंड दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी सूट निर्माता कंपनी बन जाएगी।''

इस मौके पर रेमंड के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) अमित अग्रवाल ने कहा कि यह क्षमता विस्तार न केवल रेमंड की वैश्विक उपस्थिति को मजबूत करता है, बल्कि घरेलू विनिर्माण क्षमताओं को भी बढ़ाता है।

चार माओवादी समर्थक गिरफ्तार

मानपुर (छत्तीसगढ़)/भाषा। छत्तीसगढ़ के मानपुर जिले में ग्राम पंचायत के एक सचिव समेत चार माओवादी समर्थकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से नक्सलियों का एक ट्रैक्टर भी जब्त किया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। राजनांदगांव क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक दीपक झा ने संवाददाताओं को बताया कि मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी (एमएमएसी) जिले से पकड़े गए लोगों की पहचान महेश मेश्राम (45), अरविंद तुलावी (30), रामकिशन यादव (50) और सुशील साहू (54) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि नक्सलियों का ट्रैक्टर तुलावी से बरामद किया गया। झा ने बताया, इस संबंध में जानकारी मिलने के बाद जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) और भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के एक संयुक्त दल ने तुलावी के घर पर छापा मारा और उसे हिरासत में ले लिया।

भारत में महंगाई से गांवों के लोग ज्यादा प्रभावित: एचएसबीसी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। कोविड महामारी के बाद आर्थिक पुनरुद्धार की दर जिस तरह अलग-अलग थी, उसी तरह भारत में मुद्रास्फीति की स्थिति भी है और इससे कुछ तबके अन्य के मुकाबले ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। विदेशी ब्रोकरेज कंपनी एचएसबीसी ने मंगलवार को यह बात कही।

एचएसबीसी के अर्थशास्त्रियों ने कहा कि शहरी उपभोक्ताओं के मुकाबले महंगाई से ग्रामीण उपभोक्ता ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने एक रिपोर्ट में कहा, ''जिस तरह अर्थव्यवस्था में 'के-आकार' का पुनरुद्धार (यानी कुछ क्षेत्रों में तेजी और कुछ में नरमी) देखने को मिला था, उसी प्रकार की स्थिति मुद्रास्फीति के मामले में दिख रही है।''

एचएसबीसी के मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजल भंडारी ने रिपोर्ट में मौजूदा भीषण गर्मी का हवाला दिया है। यह बताता है कि एक तरफ जहां खाद्य वस्तुओं की महंगाई ऊंची है, वहीं मुख्य (कोर) मुद्रास्फीति में नरमी की स्थिति भी है। इसका कारण फसल को नुकसान और पशुधन मृत्यु दर है। मुख्य मुद्रास्फीति में खाद्य वस्तुओं और ईंधन की कीमतों के प्रभाव को शामिल नहीं किया जाता। रिपोर्ट के अनुसार, सरकार ने ईंधन की कीमतों में कटौती करके मदद का हाथ बढ़ाया है लेकिन आमतौर पर गांवों में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी का उपयोग शहरों की तरह नहीं होता।

इसके कारण ग्रामीण मुद्रास्फीति शहरी की तुलना में अधिक है। इसमें कहा गया है कि खाद्य मुद्रास्फीति की स्थिति अधिक असमंजस वाली लगती है क्योंकि आदर्श रूप से हर किसी के मन में यह आएगा कि जब खाद्यान्न का उत्पादन गांवों में होता है तो फिर वहां शहरों में तुलना में महंगाई कम होनी चाहिए।

इसके कारण किसानों की आय को नुकसान हुआ है, वे शहरी खरीदारों को खाद्य पदार्थ बेचने के लिए अधिक प्रयास कर रहे हैं। इससे रिटर्न अधिक हो सकता है। लेकिन इसके कारण उनके क्षेत्रों में कम आपूर्ति रह जाती है जिससे कीमतें बढ़ जाती हैं। साथ ही शहरी क्षेत्रों में बंदरगाहों से खाने की मेज तक सामान पहुंचाने के लिए बेहतर बुनियादी ढांचा है। इससे आयातित वस्तुओं की कीमतें कम करने में मदद मिलती है।

ब्रोकरेज कंपनी ने कहा कि अगर बारिश सामान्य होती है, संभवत: आरबीआई नीतिगत दर में जल्दी कटौती नहीं करेगा। रिपोर्ट के अनुसार, ''अगर जुलाई और अगस्त में बारिश सामान्य नहीं होती है, तो गेहूं और दालों के कम भंडार को देखते हुए, 2024 में खाद्यान्न के मोर्चे पर स्थिति पिछले साल के मुकाबले खराब हो सकती है।''

बारिश जून में अबतक सामान्य से 17 प्रतिशत कम रही है और उत्तर-पश्चिम क्षेत्र में 63 प्रतिशत कम बारिश हुई है जहां भारत का सबसे ज्यादा अनाज पैदा होता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यदि बारिश सामान्य हो जाती है, तो मुद्रास्फीति में तेजी से कमी आ सकती है और आरबीआई नीतिगत दर में कटौती करने में सक्षम होगा और मार्च, 2025 तक इसमें 0.5 प्रतिशत की कमी हो सकती है।

स्पेक्ट्रम नीलामी के पहले दिन करीब 11,000 करोड़ रुपये की बोलियां लगीं

नई दिल्ली/भाषा। दूरसंचार कंपनियों ने स्पेक्ट्रम नीलामी के पहले दिन मंगलवार को पांच दौर में करीब 11,000 करोड़ रुपये मूल्य की बोलियां लगाईं। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सरकार 96,238 करोड़ रुपये के आरक्षित मूल्य पर 10,500 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम की नीलामी कर रही है। इसके लिए दूरसंचार सेवा प्रदाताओं से बोलियां आमंत्रित की गई हैं। मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने कहा, ''दूरसंचार कंपनियों ने पहले दिन की स्पेक्ट्रम नीलामी में करीब 11,000 करोड़ रुपये की बोलियां लगाई हैं। नीलामी बुधवार को फिर शुरू होगी।''

दूरसंचार विभाग की तरफ से पहले दिन की नीलामी के बारे में जारी रिपोर्ट के मुताबिक, बोलियां मुख्य रूप से 900 और 1,800 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम के बैंड में लगाई गई हैं। इस नीलामी में रिलायंस जियो, भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया शिरकत कर रही हैं। रिलायंस जियो ने स्पेक्ट्रम नीलामी के लिए सबसे अधिक 3,000 करोड़ रुपये की अग्रिम राशि जमा की है। इस आधार पर कंपनी अधिकतम रेडियो तरंगों के लिए बोली लगा सकती है। भारती एयरटेल ने 1,050 करोड़ रुपये और वोडाफोन आइडिया (वीआईएल) ने 300 करोड़ रुपये की बयाना राशि जमा की है। आधिकारिक बयान के अनुसार, स्पेक्ट्रम नीलामी सुबह 10 बजे शुरू हुई और धीरे-धीरे इसके कुल पांच दौर आयोजित हुए। स्पेक्ट्रम की बिक्री प्रक्रिया 2010 में ऑनलाइन शुरू होने के बाद से यह 10वीं नीलामी है।

परीक्षा सुधारों पर केंद्र की समिति अभिभावकों, छात्रों के साथ बातचीत करेगी

नई दिल्ली/भाषा। प्रतियोगी परीक्षाएं 'नीट' और 'नेट' में कथित गड़बड़ी को लेकर उपजे विवाद के बीच, परीक्षा सुधारों पर शिक्षा मंत्रालय की समिति परीक्षा प्रक्रिया से जुड़ी चिंताओं और चुनौतियों को समझने के लिए अभिभावकों एवं छात्रों के साथ बातचीत करेगी।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व प्रमुख आर. राधाकृष्णन की अध्यक्षता वाली सात सदस्यीय समिति ने अपनी पहली बैठक सोमवार शाम को की।

राधाकृष्णन ने मंगलवार को संवाददाताओं से कहा, ''हमारी पहली प्राथमिकता देशभर के छात्रों और अभिभावकों से उनकी चिंताओं और सुझावों को जानना है। जहां तक संभव हो व्यक्तिगत रूप से या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से उनसे जुड़ने जा रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''हमारे लिए अगली प्राथमिकता परीक्षा शुरू करने के लिए शीघ्रता से एक मजबूत प्रणाली बनाना है। हम भविष्य को ध्यान में रख रहे हैं। विशेष रूप से देश में एक मजबूत प्रणाली, त्रुटिरहित प्रणाली और एक ऐसी प्रणाली विकसित करने पर गौर कर रहे हैं जो छात्रों की परेशानी और तनाव को कम करेगा।''

नागपुर हवाई अड्डे को 24 घंटे में दूसरी बार बम होने की झूठी धमकी मिली

नागपुर/भाषा। डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को मंगलवार तड़के 24 घंटे में दूसरी बार बम की धमकी मिली, लेकिन तलाशी के दौरान कुछ भी नहीं मिला। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। हवाई अड्डे के अधिकारी ने बताया कि आधी रात के कुछ देर बाद शौचालय में बम होने का ईमेल मिला था। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण को सोमवार सुबह भी इसी तरह का धमकी भरा ईमेल मिला था। अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा एजेंसियों ने हवाई अड्डे पर तलाशी ली पर कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। देश के जिन 40 से अधिक हवाई अड्डों को 18 जून को बम होने की झूठी धमकी मिली थी उनमें नागपुर हवाई अड्डा भी शामिल था।

नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में 2030 तक दो लाख करोड़ रुपये का निवेश करेगा अदाणी समूह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। अदाणी समूह 40,000 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन क्षमता सृजित करने के लिए 2030 तक लगभग दो लाख करोड़ रुपये का निवेश करेगा। समूह ने 2050 तक अपनी सभी कंपनियों में कार्बन उत्सर्जन शुद्ध रूप से शून्य स्तर पर लाने का लक्ष्य रखा है और नवीकरणीय ऊर्जा पर जोर उसी दिशा में कदम है।

विभिन्न कारोबार क्षेत्रों से जुड़े समूह की वर्तमान में सौर और पवन ऊर्जा समेत नवीकरणीय स्रोतों से बिजली उत्पादन की क्षमता 10,000 मेगावाट से अधिक है। समूह 2030 तक 50,000 मेगावाट क्षमता तक पहुंचने के लिए हर साल 6,000 से 7,000-मेगावाट क्षमता जोड़ने पर ध्यान दे रहा है।

अदाणी ग्रीन एनर्जी लि. (एजीईएल) के कार्यकारी निदेशक सागर अडाणी ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''प्रति मेगावाट पांच करोड़ रुपये के हिसाब से निवेश 2030 तक दो लाख करोड़ रुपये के दायरे में हो सकता है।'' कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अमित सिंह ने कहा कि कंपनी रात के दौरान अधिकतम बिजली की मांग को ध्यान में रखते हुए 5,000 मेगावट क्षमता की पंप स्टोरेज क्षमता भी तैयार करेगी। इसका कारण रात में सूर्य की रोशनी उपलब्ध नहीं होती और हवा की तीव्रता इतनी नहीं होती है कि बिजली पैदा करने के लिए पवन चक्की को चालू किया जा सके। कार्बन क्रेडिट के साथ नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता और कुछ अन्य उपायों के साथ, समूह को 2050 तक शुद्ध रूप से शून्य कार्बन उत्सर्जन हासिल करने में मदद मिलेगी।'' सिंह ने कहा कि अदाणी ग्रीन एनर्जी ने बीते वित्त वर्ष 2023-24 में 2,800 मेगावाट क्षमता जोड़ी है। यह देश में साल के दौरान सृजित कुल उत्पादन क्षमता का 15 प्रतिशत है। उन्होंने कहा, ''इस साल हमारा लक्ष्य 6,000 मेगावाट है।'' अडाणी ने कहा कि आने वाले समय में हर साल इतनी या इससे ज्यादा क्षमता वृद्धि की संभावना है। कुल 50,000 मेगावाट क्षमता का 80 प्रतिशत सौर और बाकी पवन ऊर्जा से आएगा। समूह सौर पैनल और पवन चक्की में उपयोग किए जाने वाले वेफर्स बनाने के लिए कारखाने भी लगा रहा है। सिंह ने कहा कि समूह अब कम हवा की गति वाले क्षेत्रों के लिए तीन मेगावाट की पवन चक्की बनाने पर विचार कर रहा है।

तेलंगाना में दफन किये जाने से पहले 'मृतक' व्यक्ति जिंदा पाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। एक मृत व्यक्ति की गलत पहचान के चलते तेलंगाना के विकाराबाद जिले में 'अंतिम संस्कार' के समय एक व्यक्ति के जीवित पाए जाने का मामला सामने आया है।

राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि यह घटना विकाराबाद जिले के नवंदगी गांव में हुई जहां 'मृतक' के परिजन उसे दफनाने की तैयारी कर रहे थे।

पेशे से दिहाड़ी मजदूर पी. येलप्पा (40) के परिवार के सदस्यों को उसकी मौत के बारे में सूचित किया गया था। एक शव के साथ येलप्पा का मोबाइल फोन पाया गया था जिसके बाद येलप्पा को मृत मान लिया गया था।

अधिकारी ने कहा कि जीआरपी कर्मियों को 22 जून की रात विकाराबाद रेलवे स्टेशन पर पटरियों पर एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला जिसका सिर कुचला हुआ था और पहचान से परे था।

शराब कांड का मुद्दा उठा रहे विपक्षी अन्नाद्रमुक विधायक तमिलनाडु विधानसभा से एक दिन के लिए निलंबित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा में मंगलवार को प्रश्नकाल के दौरान कल्लाकुरिचि अवैध शराब त्रासदी का मामला उठाने की कोशिश के दौरान कथित रूप से व्यवधान डालने को लेकर विपक्षी अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के सदस्यों को सदन से एक दिन के लिए निलंबित कर दिया गया। मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने कहा कि सदन पहले ही इस मुद्दे पर विस्तार से चर्चा कर चुका है और उन्होंने अबतक 58 लोगों की जान लेने वाली इस त्रासदी के सिलसिले में सरकार द्वारा उठाये जा रहे कदमों के बारे में बताया था।

उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्य विपक्षी दल सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) की अगुवाई वाले गठबंधन द्वारा 40 में से 40 लोकसभा सीट जीत जाने की बात नहीं पचा पाया है और ऐसी नियोजित गतिविधियों' में लगा है। उनका इशारा द्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन द्वारा तमिलनाडु में भी 39 तथा पुडुचेरी की एकमात्र संसदीय सीट जीते जाने की ओर था। कार्यवाही शुरू होने पर प्रश्नकाल के दौरान एक बार फिर अन्नाद्रमुक सदस्यों द्वारा इस मुद्दे को उठाने की कोशिश करने और अपनी मांग पर अड़े रहने पर विधानसभा अध्यक्ष एम अप्पावू ने उनके निष्कासन का आदेश दिया।

उसके बाद निगम प्रशासन मंत्री के एन नेहरू ने सदन में व्यवधान पैदा करने वाले विपक्षी सदस्यों को सत्र की बाकी अवधि के निलंबित किये जाने का प्रस्ताव रखा लेकिन स्टालिन के हस्तक्षेप पर उसे बदलकर निलंबन का समय एक दिन कर दिया गया। अध्यक्ष ने कहा कि प्रस्ताव 'सर्वसम्मति' से स्वीकार किया जाता है।

जहरीली शराब हादसा : एनएचआरसी ने तमिलनाडु सरकार और प्रदेश के डीजीपी को नोटिस जारी किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने तमिलनाडु सरकार और प्रदेश के पुलिस महानिदेशक को नोटिस जारी कर राज्य के कल्लाकुरिची जिले में हुये जहरीली शराब हादसे में एक सप्ताह के भीतर रिपोर्ट देने के लिये कहा है। आयोग ने एक बयान में इसकी जानकारी दी। तमिलनाडु के कल्लाकुरिची जहरीली शराब त्रासदी में मरने वालों की संख्या सोमवार को 58 हो गई, जबकि इससे पीड़ित 219 अन्य लोगों को जिले के विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने बयान जारी कर कहा कि उसने मीडिया में आयी इन खबरों पर स्वत: संज्ञान लिया है कि कल्लाकुरिची में 'जहरीली शराब' पीने के बाद कई लोगों की जान चली गयी थी। बयान में खबरों हवाले से कहा गया है कि कथित रूप से महिलाओं समेत बड़ी संख्या में लोग अस्पतालों में भर्ती हैं और उनमें से कुछ की हालत नाजुक है। आयोग ने कहा कि समाचार रिपोर्ट की सामग्री, यदि सत्य है, तो यह प्रभावित लोगों के जीवन जीने के अधिकार का उल्लंघन है।

राज्यों के पास जहरीली शराब के उत्पादन, कब्जे, ढुलाई, खरीद और बिक्री को रोकने का विशेष अधिकार है। बयान में कहा गया है, अत: तमिलनाडु के मुख्य सचिव एवं पुलिस महानिदेशक को नोटिस जारी कर एक सप्ताह में विस्तृत रिपोर्ट तलब की गयी है।

नियुक्ति आदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में मंगलवार को मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने ग्रुप 'ख' सेवाओं के तहत विभिन्न पदों के लिए टीएनपीएससी के माध्यम से भर्ती किए गए उम्मीदवारों को नियुक्ति आदेश सौंपे।

जहरीली शराब कांड मामले में राज्यपाल प्रदेश की द्रमुक सरकार पर कार्रवाई करें : अन्नाद्रमुक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के महासचिव ई.के.पलानीस्वामी ने मंगलवार को तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन.रवि से मुलाकात की और कल्लाकुरिची जहरीली शराब हादसे के मामले में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री रह चुके पलानीस्वामी ने पार्टी के विधायकों और पार्टी अधिवक्ता प्रकोष्ठ के सदस्यों के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे थे। प्रतिनिधिमंडल ने रवि से राजभवन में मुलाकात की और एक ज्ञापन सौंपकर द्रमुक सरकार पर अवैध शराब के निर्माण एवं बिक्री पर रोक लगाने में असफल रहने का आरोप लगाया।

पलानीस्वामी ने बाद में संवाददाताओं को बताया कि राज्यपाल ने भरोसा दिया है कि ज्ञापन के आधार पर उचित कार्रवाई की जाएगी। पलानीस्वामी ने इस बात पर आश्चर्य व्यक्त किया कि क्या कल्लाकुरिची में जहरीली शराब की बिक्री का पता नहीं लगा पाना खुफिया विभाग की विफलता थी, जिसमें 60 लोगों की मौत हो गई। उन्होंने दोहराया कि द्रमुक अध्यक्ष और मुख्यमंत्री एम के स्टालिन को जहरीली शराब हादसे में गई जान की जिम्मेदारी लेनी चाहिए और पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्होंने कहा, निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच सुनिश्चित करने के लिए पूरे प्रकरण को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो को सौंप देना चाहिए। अन्नाद्रमुक महासचिव ने कहा, ''अगर राज्य सरकार के अंतर्गत आने वाली एजेंसी से जांच कराई जाती है तो प्रभावित लोगों को न्याय नहीं मिलेगा। स्टालिन को मौतों की नैतिक जिम्मेदारी लेनी चाहिए और तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे देना चाहिए।''

आपातकाल देश के इतिहास का एक 'काला अध्याय' : तमिलनाडु के राज्यपाल रवि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

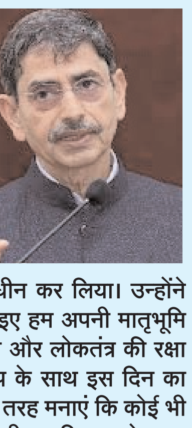

चेन्नई। आपातकाल की 49वीं वर्षगांठ पर तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि ने मंगलवार को उस कुख्यात समय को राष्ट्र के इतिहास का एक 'काला अध्याय' करार देते हुए लोगों से देश की गरिमा और लोकतंत्र की रक्षा के लिए संकल्प लेने का आग्रह किया।

रवि ने 'एक्स' पर कहा, 25 जून, 1975 को भारतीय लोकतंत्र को एक तानाशाह के पांव तले कुचल दिया गया था जिसने संविधान को नष्ट कर दिया, नागरिकों की मूलभूत नागरिक स्वतंत्रता को निलंबित कर दिया, मीडिया पर पाबंदी लगा दी और न्यायपालिका को अपने अधीन कर लिया। उन्होंने कहा, आइए हम अपनी मातृभूमि की गरिमा और लोकतंत्र की रक्षा के संकल्प के साथ इस दिन का शोक इस तरह मनाएं कि कोई भी हमारे राष्ट्रीय इतिहास के इस काले अध्याय को दोहराने के बारे में सोच भी न सके। राज्यपाल ने उन दिनों के अपने व्यक्तिगत अनुभव को भी याद किया जब वह विश्वविद्यालय में थे। आपातकाल (1975-77) के दौरान इंदिरा गांधी देश की प्रधानमंत्री थीं।

अदालत ने सेंथिल बालाजी की न्यायिक हिरासत एक जुलाई तक बढ़ाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां की एक सत्र अदालत ने धन शोधन मामले में ईडी द्वारा गिरफ्तार किए गए तमिलनाडु के पूर्व मंत्री वी. सेंथिल बालाजी की न्यायिक हिरासत मंगलवार को एक जुलाई तक बढ़ा दी।

अभियोजन पक्ष ने सेंथिल बालाजी को यहां केंद्रीय पुझाल जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से प्रधान सत्र न्यायाधीश एस. अल्ली की अदालत के समक्ष पेश किया।

मंगलवार को जब मामला सुनवाई के लिए आया तो ईडी ने सेंथिल बालाजी द्वारा दायर तीन याचिकाओं पर अपने जवाबी हलफनामे दाखिल किए।

न्यायाधीश ने इन याचिकाओं पर आगे की सुनवाई के लिए एक जुलाई की तारीख तय की। एक याचिका में सेंथिल बालाजी ने वर्तमान कार्यवाही को स्थगित करने का अनुरोध किया।

दो अन्य याचिकाओं में उन्होंने विश्वसनीय दस्तावेज संख्या ''16 और 17'' में गायब दस्तावेज उपलब्ध कराने का अनुरोध किया, जो उनके खाते से संबंधित चालान की प्रतियां थीं, जिन्हें ईडी ने अपनी जांच के दौरान एकत्र किया था।

वी. सेंथिल बालाजी को 14 जून, 2023 को ईडी ने नौकरी घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में गिरफ्तार किया था। यह मामला उनके तत्कालीन अन्नाद्रमुक सरकार में परिवहन मंत्री रहने के दौरान का है।

पुष्पांजलि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के प्रेसीडेंसी कॉलेज परिसर में पूर्व प्रधानमंत्री वीपी सिंह की 94वीं जयंती के मौके पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए मुख्यमंत्री एमके स्टालिन।

मछुआरों को जागरुक करने के लिए होगा एनिमेटेड वीडियो का इस्तेमाल : केरल सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। मछुआरों को समुद्र में जाते समय और लौटते समय लाइफजैकेट पहनने के लिए जागरूक करने के उद्देश्य से लाइफ जैकेट पहनी हुई डॉल्फिन के एक एनिमेटेड वीडियो का इस्तेमाल किया जाएगा ताकि मछली पकड़ने के दौरान होने वाली दुर्घटनाओं और मौतों को रोका जा सके। केरल सरकार ने मंगलवार को यह जानकारी दी। राज्य के मत्स्य पालन मंत्री साजी चेरियन ने विधानसभा में बताया कि सरकार ने तटीय क्षेत्रों में दुर्घटनाओं और मछुआरों की मृत्यु को रोकने के लिए कई कदम उठाए हैं, लेकिन इन उपायों को प्रभावी ढंग से जमीनी स्तर पर अपनाया नहीं जा रहा है।

चेरियन ने कहा कि सरकार ने तटीय क्षेत्रों में हजारों लाइफ जैकेट और लाइफबॉय वितरित किए हैं, लेकिन यह देखा गया है कि मछुआरे समुद्र में जाते समय या किनारे पर लौटते समय उनका उपयोग नहीं कर रहे हैं। मंत्री विधानसभा में वामपंथी विधायक वी जॉय द्वारा मछली पकड़ने से संबंधित दुर्घटनाओं में मछुआरों की मौतों को रोकने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के संबंध में पूछे गए प्रश्न का उत्तर दे रहे थे। चेरियन ने कहा कि यहां मुथलापोझी बंदरगाह पर होने वाली दुर्घटनाओँ सहित अधिकतर आकस्मिक मौतें तब हुईं जब मछुआरे समुद्र में जा रहे थे या किनारे पर लौट रहे थे। उन्होंने कहा कि अभियान के तहत मछुआरों को लाइफ जैकेट पहनने के बारे में जागरुक करने के लिए लाइफ जैकेट पहनी एक डॉल्फिन का एनीमेशन दिखाया जाएगा।

मुथलापोझी एक तटीय क्षेत्र है जहां एक नदी और एक झील अरब सागर में मिलती हैं। हाल के वर्षों में इसके आसपास के क्षेत्रों में 70 से अधिक लोग मारे गए और बड़ी संख्या में नावें पलट गईं। पिछले हफ्ते मुथलापोझी में मछली पकड़ने वाली नावों से जुड़ी दो दुर्घटनाएं हुईं और 50 वर्षीय एक मछुआरे की मौत हो गई।

आरएसएस नेता हत्या मामला

केरल उच्च न्यायालय ने 17 पीएफआई सदस्यों को जमानत दी

कोच्चि। केरल उच्च न्यायालय ने पलक्कड़ जिले में 2022 में आरएसएस नेता श्रीनिवासन की हत्या के मामले में आरोपी 17 पीएफआई सदस्यों को मंगलवार को जमानत दे दी। आरोपी कथित तौर पर राज्य और देश के विभिन्न हिस्सों में संप्रादायिक हिंसा भड़काने के आरोपों का भी सामना कर रहे हैं।

न्यायमूर्ति ए.के.जयशंकरन नाम्बियार और न्यायमूर्ति श्याम कुमार वी.एम.की पीठ ने एनआईए (राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण) मामलों की विशेष अदालत के उस आदेश को भी बरकरार रखा जिसमें नौ अन्य आरोपियों को किसी भी तरह की राहत देने से इनकार किया गया है। उच्च न्यायालय का 111 पन्नों का यह आदेश मामले के 26 आरोपियों की अपील पर आया जिन्होंने विशेष अदालत द्वारा उनकी जमानत अर्जी खारिज किए जाने को चुनौती दी थी। उच्च न्यायालय ने 26 आरोपियों में से 17 को जमानत देते हुए सख्त शर्तें भी लगाई हैं। आरोपियों को अपना मोबाइल फोन नंबर और वास्तविक समय में जीपीएस लोकेशन जांच अधिकारी से साझा करना होगा। अदालत ने कहा कि आरोपी केरल से बाहर नहीं जाएंगे, अपना पासपोर्ट जमा करेंगे और 24 घंटे मोबाइल फोन चार्ज व ऑन रखेंगे। श्रीनिवासन की 16 अप्रैल 2022 को हत्या की गई थी और शुरुआत में 51 लोगों को आरोपी बनाया गया था। इनमें से एक की मौत हो गई और सात आरोपी फरार चल रहे हैं। बाकी के खिलाफ जुलाई और दिसंबर 2022 में दो चरणों में आरोपपत्र दाखिल किए गए। अदालत ने रेखांकित किया कि राज्य पुलिस जब इस मामले की जांच कर रही थी तो केंद्र को सूचना मिली कि केरल में पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया और इससे जुड़े संगठन के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने सांप्रदायिक हिंसा भड़काने की साजिश रची और केरल एवं देश के अन्य हिस्सों में आतंकवादी गतिविधियों के लिए काडर को कट्टरपंथी बनाया। इसके बाद केंद्र ने सितंबर 2022 को एनआईए को मामले की जांच अपने हाथ में लेने का निर्देश दिया।

लंदन जाने वाले एअर इंडिया के विमान में बम रखा होने की धमकी, संदिग्ध पकड़ा गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि। लंदन जाने वाले एअर इंडिया के एक विमान में सोमवार देर रात को बम रखे होने की धमकी मिली लेकिन तलाशी के बाद यह फर्जी निकली और प्राधिकारियों ने धमकी भरा फोन करने के संदेह में 29 वर्षीय एक व्यक्ति को पकड़ा। कोचीन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के प्रवक्ता ने बताया कि सुरक्षा कर्मियों ने विमान की गहन तलाशी ली और कोई खतरा नहीं पाया जिसके बाद विमान को उड़ान भरने की अनुमति दी गयी। उन्होंने बताया कि मुंबई में एअर इंडिया के कॉल सेंटर पर सोमवार देर रात उड़ान एआई 149 के लिए बम की धमकी का फोन आया। इस विमान को कोच्चि से लंदन के लिए उड़ान भरनी थी। इसकी सूचना देर रात एक बजकर 22 मिनट पर तुरंत यहां एअर इंडिया और कोचीन इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (सीआईएएल) को दी गयी।

स्थापित प्रोटोकॉल का पालन करते हुए सीआईएएल पर बम धमकी आकलन समिति (बीटीएसी) को बुलाया गया। इसके बाद हवाई अड्डा सुरक्षा समूह, एयरलाइन सुरक्षा कर्मियों और सामान जांच प्रणाली द्वारा गहन सुरक्षा जांच की गयी। कोचीन हवाई अड्डा बीटीएसी की सिफारिशों पर विमान को एक अलग स्थान पर ले जाया गया और उसकी गहन तलाशी ली गयी। विमान दोपहर एक बजकर 25 मिनट पर अपने गंतव्य के लिए रवाना हो गया। पहले इसे पूर्वाह्न 11 बजकर 50 मिनट पर रवाना होना था। इसके बाद मुंबई के कॉल सेंटर पर धमकी भरा फोन करने वाले व्यक्ति की पहचान करने के प्रयास किए गए। जांच में खुलासा हुआ कि मलप्पुरम जिले के कोंडोट्टी निवासी सुहैब (29) ने यह फोन किया था जिसे एआई 149 उड़ान से लंदन जाना था।

कोचीन हवाई अड्डे के अंतरराष्ट्रीय गंतव्य टर्मिनल पर प्रवेश के दौरान एएसजी ने सुहैब, उसकी पत्नी तथा बेटी को रोक लिया। प्रवक्ता ने एक बयान में बताया, उसे पूछताछ तथा कानूनी कार्रवाई के लिए पुलिस को सौंप दिया गया है।

चेन्नई हवाई अड्डे पर 7.58 करोड़ रुपये का सोना जब्त, 10 यात्री गिरफ्तार

चेन्नई। तमिलनाडु के चेन्नई हवाई अड्डे पर करीब 12 किलोग्राम सोना बरामद किया गया और इस सिलसिले में 10 यात्रियों को गिरफ्तार किया गया है। सीमा शुल्क विभाग ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सीमा शुल्क विभाग के मुताबिक राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) से प्राप्त खुफिया जानकारी के आधार पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने 24 जून को दुबई और अबू धाबी से आए 10 यात्रियों को रोका। प्रधान सीमा शुल्क आयुक्त आर श्रीनिवास नाइक की ओर से जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि यात्रियों की शुरुआती जांच से पता चला कि उनके सामान में सोने के बिस्कुट थे और उनके अधोवस्त्रों में पेस्ट के रूप में सोना छिपा हुआ था। विज्ञप्ति के मुताबिक इस सिलसिले में 10 यात्रियों को गिरफ्तार कर लिया गया और सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की संबंधित धाराओं के तहत उनसे 7.58 करोड़ रुपये मूल्य की कीमती धातु बरामद की गई।

केरल ने केंद्र से एनएचएम के लिए लंबित 637 करोड़ रुपये का अनुदान जारी करने का आग्रह किया

तिरुवनंतपुरम। केरल ने केंद्र से राज्य में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के संचालन के लिए 600 करोड़ रुपये से अधिक का लंबित अनुदान प्रदान करने और चालू वित्त वर्ष की पहली किस्त मंजूर करने का मंगलवार को आग्रह किया। राज्य की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज के कार्यालय ने कहा कि उन्होंने इस मामले में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा को पत्र लिखा है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया, मंत्री वीना जॉर्ज ने अनुरोध किया है कि वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए प्राप्त होने वाले 637 करोड़ रुपये के नकद अनुदान को चालू वित्तीय वर्ष की पहली किस्त के साथ राज्य में एनएचएम के संचालन के लिए स्वीकृत किया जाए। राज्य सरकार ने केंद्र को बताया कि केंद्रीय निधि आवंटित न किए जाने के कारण केरल को स्वास्थ्य क्षेत्र के कई भागों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

श्रीलंका की समुद्री सीमा में 10 मछुआरे गिरफ्तार किये, अभियान में एक श्रीलंकाई नाविक की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/कोलंबो। श्रीलंका की समुद्री सीमा में कथित तौर पर अवैध रूप से मछली पकड़ने में लगी एक नौका को जब्त करने के लिए श्रीलंकाई नौसेना द्वारा चलाये गये अभियान में कम से कम 10 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया गया जबकि एक श्रीलकाई नौसैनिक की मौत हो गयी। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। दो दिन पहले ही श्रीलंका की नौसेना ने कथितरूप से अवैध तरीके से मछली पकड़ने को लेकर 18 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया था।

अधिकारियों ने बताया कि श्रीलंकाई नौसेना को सूचना मिली थी कि उत्तरी जाफना में डेल्फ्ट टापू के पास श्रीलंकाई समुद्री सीमा में एक भारतीय कुछ मछुआरों के साथ अवैध रूप से मछली पकड़ने में लगा है जिसके बाद मंगलवार को अभियान शुरू किया गया।

नौसेना के प्रवक्ता कैप्टन गयान विक्रमसूर्या ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, नौसेना ने श्रीलंकाई समुद्री सीमा में अवैध रूप से मछली पकड़ने में लगी नौका और मछुआरों की धर-पकड़ के लिए एक अभियान शुरू किया। लेकिन उस अभियान के दौरान एक श्रीलंकाई नाविक को भारतीय नौका पर स्थित लोहे की छड़ से छाती में गहरी चोट लग गयी और उसकी मौत हो गयी। उन्होंने बताया कि लेकिन इस अभियान में श्रीलंकाई नौसेना ने नौका को जब्त कर लिया है और उसपर से 10 भारतीयों को गिरफ्तार कर लिया।

प्रतापगढ़ में ईंट भट्टा मालिक की हत्या, प्रदर्शन और आगजनी पर उतरी भीड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले में ईंट भट्टे से निकलने वाली धूल मिट्टी को लेकर हुए झगड़े में भट्टा मालिक की कथित तौर पर चाकू मारक हत्या कर दी गई। घटना से गुस्साए मृतक के परिजनों ने हमलावरों में शामिल एक आरोपी के ढाबे और शराब की दुकान में आग लगा दी। पुलिस ने मंलगवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना से नाराज 38 वर्षीय ईंट भट्टा मालिक के परिवार के सदस्यों और स्थानीय लोगों ने सड़क जाम कर दी और पुलिस कर्मियों पर पथराव किया। पुलिस ने बताया कि मृतक के भट्टे से धूल उड़ने को लेकर बहस हुई थी जिसके बाद ढाबा मालिक सहित कुछ लोगों कथित तौर पर भट्टा मालिक की हत्या कर दी।

पुलिस ने बताया कि घटना प्रतापगढ़ जिले के कोतवाली थानाक्षेत्र के अंतर्गत खेरोट गांव में सोमवार शाम को घटी। पुलिस उपाधीक्षक हेरांभ जोशी ने बताया कि मामले में ढाबा मालिक जयसिंह लालना मुख्य आरोपी है और उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। उन्होंने बताया कि घनश्याम प्रजापति का ईंट भट्टा और लालना का ढाबा आसपास ही है। दोनों के बीच कुछ दिन पहले भट्टे से धूल उड़ने को लेकर बहस हुई थी।

पुलिस उपाधीक्षक ने बताया कि सोमवार शाम को भी इसी मुद्दे पर बहस हुई और इस दौरान प्रजापति ने कथित तौर पर ढाबे पर काम करने वाले एक कर्मचारी को थप्पड़ मार दिया और घर चला गया।

उन्होंने बताया कि रात को लालना सहित छह लोग दो मोटरसाइकिल पर सवार होकर कथित तौर पर प्रजापति के घर पहुंचे और उसे घर से बाहर बुलाया। जोशी ने बताया कि इन लोगों ने प्रजापति की पिटाई की और लालना ने कथित तौर पर उसपर चाकू से हमला कर दिया जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई। उन्होंने बताया कि हत्या को अंजाम देने के बाद आरोपी फरार हो गए।

पुलिस ने बताया कि प्रजापति की हत्या का विरोध करते हुए उसके परिवार के सदस्यों ने रात को ढाबे और शराब की दुकान में आग लगा दी और पुलिस के वाहनों पर पत्थरबाजी की एवं प्रतापगढ़-रतलाम राजमार्ग को बाधित कर दिया। पुलिस ने बताया कि प्रदर्शनकारियों को समझाकर राजमार्ग पर यातायात बहाल कर दिया गया है और इलाके में अतिरिक्त सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गई है। पुलिस उपाधीक्षक ने कहा कि बाकी आरोपियों को पकड़ने के लिए टीम गठित की गई हैं। पुलिस ने बताया कि शव को जिला अस्पताल के मुर्दाघर में रखा गया है और अब तक पोस्टमॉर्टम के लिए नहीं भेजा गया है।

निवेशकों को हर स्तर पर मदद करेगी राज्य सरकार : मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान में निवेश की अपार संभावनाएं हैं। हमारी सरकार निवेशकों के लिए हर स्तर पर मदद कर अनुकूल वातावरण तैयार करेगी जिससे देश-विदेशों से अधिकतम निवेश राज्य में आए तथा राजस्थान देश में सबसे बड़े 'इन्वेस्टमेंट हब' के रूप में उभरे। शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में राजस्थान इन्वेस्टमेंट समिट-2024 की तैयारियों को लेकर उच्चस्तरीय बैठक को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आगामी राजस्थान इन्वेस्टमेंट समिट-2024 के सफल क्रियान्वयन के लिए सभी अधिकारी पूरे मनोयोग से जुट जाएं तथा इस ऐतिहासिक आयोजन की प्रत्येक गतिविधि की नियमित मॉनिटरिंग करें। उन्होंने कहा कि समिट में होने वाले विभिन्न एमओयू को केवल कागजों पर ही न रहकर धरातल पर उतारा जाए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ इस आयोजन का भव्य क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। आगामी समिट में आने वाले सभी निवेशकों के आतिथ्य सत्कार में कोई कमी नहीं रहनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रचार-प्रसार किसी भी आयोजन की सफलता का मुख्य आधार होता है। अधिकारी प्रचार-प्रसार के लिए बेहतरीन कार्ययोजना बनाएं जिससे वैश्विक स्तर पर यह आयोजन चर्चा का विषय बने। शर्मा ने कहा कि सभी उद्योगों को एक ही छत के नीचे सभी प्रकार की निवेश संबंधी सुविधाएं देने के लिए सिंगल विंडो का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। सिंगल विंडो के लिए विभाग द्वारा अलग से पूरा सिस्टम तैयार किया जाए जिससे उद्यमियों को निवेश में किसी भी तरह की समस्या का सामना नहीं करना पड़े। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि संसाधनों का समुचित उपयोग कर निवेश संबंधी प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान का प्रवासी विश्व के प्रत्येक हिस्से में मौजूद है तथा वे अपनी मिट्टी से हमेशा जुड़े रहना चाहते हैं। इसलिए राजस्थान का प्रवासी प्रदेश में निवेश के लिए हमेशा अवसरों की तलाश में रहता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि समिट में प्रवासी राजस्थानियों की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित की जाए। उनके लिए अलग से सत्र आयोजित हों जिससे वे अपने राज्य में निवेश कर राज्य को औद्योगिक रूप से समृद्ध बनाने में अपनी महती भूमिका निभा सकें। बैठक में प्रस्तुतीकरण के माध्यम से इन्वेस्टमेंट समिट की गतिविधियां, मुख्य समारोह का प्रारूप, वित्त, उद्योग, परिवहन, पर्यटन, जेडीए, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, सामान्य प्रशासन विभाग सहित विभिन्न विभागों की भूमिका, नवीन प्रस्तावित नीतियां, मॉनिटरिंग मैकेनिज्म सहित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

शर्मा ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा एक ही छत के नीचे मार्केट प्लेस उपलब्ध कराने के उद्देश्य से देशभर में 'पीएम एकता मॉल' बनाए जा रहे हैं। इसके तहत जयपुर में भी शीघ्र राजस्थान यूनिटी मॉल का निर्माण किया जाएगा। इसके निर्माण से गुणवत्तापूर्ण स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा मिलेगा तथा ग्रामीण कारीगरों को भी उनके उत्पाद बेचने में मदद मिलेगी।

दीया कुमारी ने सीकर रोड ड्रेनेज प्रोजेक्ट का किया शिलान्यास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी मंगलवार को 36.88 करोड़ लागत से बन रहे सीकर रोड ड्रेनेज प्रोजेक्ट शिलान्यास किया। दीया कुमारी ने कहा कि मानसून में जल-भराव की समस्या से सभी लोग बरसों से परेशान थे, परन्तु आज इस ड्रेनेज प्रोजेक्ट अब इस समस्या से हमेशा के लिए निजात मिल पायेगा। उन्होने कहा कि विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र में विकास के कई बड़े प्रोजेक्ट, रेलवे ओवर ब्रिज, बालिका कॉलेज और सेटेलाईट हास्पीटल आ रहे है। अन्य जनसमस्याओं की निराकरण के लिए मैं जल्द ही इलाक़े में साप्ताहिक जनसुनवाई शुरु करने जा रही हूँ।

सीकर रोड ड्रेनेज प्रोजेक्ट का निर्माण कार्य पूरा होने से भवानी निकेतन, ढेहर के बालाजी, अल्का सिनेमा, 1 नंबर सन एण्ड मून,मुरलीपुरा एवं विद्याधर नगर आदि क्षेत्र से गुजरने वाले लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। इसके साथ ही वार्ड नं 4 में दो करोड़ 30 लाख रुपये की लागत से सर्वोदय कॉलोनी से लालाराम नगर बढारना में जल निकास ड्रेनेज का निर्माण कार्य का भी शिलान्यास किया ।

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी के सतत प्रयासों के बाद जयपुर विकास प्राधिकरण ने इसके लिए 26.52 करोड़ रुपये के कार्यादेश जारी कर दिये गये है। सीकर रोड ड्रेनेज प्रोजेक्ट के पहले चरण में 16.09 करोड़ की लागत से सीकर रोड के पूर्वी तरफ तथा 20.53 करोड़ की लागत से सड़क की पश्चिमी दिशा में नाले का निर्माण किया जायेगा। दूसरे चरण में वीकेआई से सेन्ट्रल स्पाईन होते हुए बड़ी-खेड़ा और मुरलीपुरा में 19.21 करोड़ की लागत से नालों का निर्माण करवाया जायेगा। इस प्रोजेक्ट के तीसरे चरण में 13.29 करोड़ की लागत से बाईपास रोड और खेतान अस्पताल के पीछे नाले का निर्माण करवाया जायेगा। इस दौरान जिला पदाधिकारी, समस्त मंडल अध्यक्ष, समस्त वार्ड पार्षद, मोर्चा अध्यक्ष, वार्ड अध्यक्ष, जनप्रतिनिधिगण, व्यापार मंडल पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं विद्याधर नगर के सम्मानित जन मौजूद रहे।

आपातकाल के विरोध में खड़े होने वाले लोकतंत्र के प्रहरी समस्त राष्ट्रभक्तों को कोटि-कोटि नमन : राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री और झोटवाड़ा से भाजपा विधायक कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने मंगलवार को कहा कि भारत के लोकतंत्र का अपमान करते हुए कांग्रेस पार्टी द्वारा 25 जून, 1975 को लागू किए गए आपातकाल के विरोध में खड़े होने वाले लोकतंत्र के प्रहरी समस्त राष्ट्रभक्तों को कोटि-कोटि नमन। संविधान को बचाने की लड़ाई में आप सभी द्वारा दिया गया योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा, निरंकुश कांग्रेस सरकार ने एक परिवार के सत्ता सुख के लिए 21 महीनों तक देश में सभी प्रकार के नागरिक अधिकार निलंबित कर दिए थे। इस दौरान उन्होंने मीडिया पर सेंसरशिप लगा दी थी, संविधान में बदलाव किए और न्यायालय तक के हाथ बांध दिए थे। 25 जून, 1975 को रात के अंधेरे में कांग्रेस की सरकार ने भारत के लोकतंत्र को नष्ट करने का प्रयास किया था।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा, डार्क डेज ऑफ़ इमरजेंसी हमें याद दिलाती है कि कैसे कांग्रेस पार्टी ने बुनियादी स्वतंत्रता को नष्ट कर दिया और भारत के संविधान को कुचल दिया, जिसका हर भारतीय सम्मान करता है। देश में लोकतंत्र की हत्या और उस पर बार-बार आघात करने का कांग्रेस का लंबा इतिहास रहा है। 25 जून, 1975 को कांग्रेस के द्वारा लगाया गया आपातकाल इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। कांग्रेस की आपातकाल वाली मानसिकता आज भी नहीं गई है।

विद्यार्थी विकसित भारत की संकल्पना के सहभागी बनें : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल एवं कुलाधिपति कलराज मिश्र ने कहा है कि कृषि विश्वविद्यालय किसानों के लिए हितकर योजनाओं का निर्माण ही नहीं करें बल्कि वे आधुनिक ज्ञान-विज्ञान के प्रसार केन्द्र के रूप में भी अपनी पहचान बनाएं। उन्होंने विद्यार्थियों को डिग्री प्राप्त कर विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने में सहभागी बनने का भी आह्वान किया है। राज्यपाल मंगलवार को कृषि विश्वविद्यालय कोटा के सातवें दीक्षांत समारोह में स्नातक एवं स्नातकोत्तर अभ्यर्थियों को गोल्ड मेडल एवं उपाधियां प्रदान करने के बाद संबोधित कर रहे थे। दीक्षांत समारोह में 310 अभ्यर्थियों को उपाधियां जबकि 10 अभ्यर्थियों को गोल्ड मेडल प्रदान किए गए। गोल्ड मेडल प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों में 6 छात्राएं एवं 4 छात्र शामिल थे।

राज्यपाल ने छात्राओं के कृषि के क्षेत्र में आगे बढ़ने पर बधाई देते हुए कहा कि कृषि शिक्षा में छात्राओं ने तेजी से आगे बढ़कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। यह देश एवं समाज के लिए शुभ लक्षण है। उन्होंने कृषि विश्वविद्यालयों का आव्हान किया कि वे पारम्परिक खेती के साथ ही दूसरे देशों में कृषि के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयोगों को ध्यान में रखते हुए किसानों की उपज बढ़ाने की दिशा में प्रयास करें। उन्होंने कृषि के क्षेत्र में उन्नत तकनीक के प्रयोग पर जोर दिया।

मिश्र ने कहा कि विश्वविद्यालय, कृषि प्रबंधन से जुड़े क्षेत्रों में सतत अनुसंधान के विकास कार्य कर रोजगारोन्मुखी दक्षता बढ़ाने के लिए भी निरंतर कार्य करें। इसी से युवाओं का कृषि की ओर रूझान बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि कृषि उद्यमिता के अंतर्गत नवाचार अपनाते हुए निरंतर कार्य किए जाने की भी नितांत आवश्यकता है। कृषि उत्पादों के विपणन, कृषि भंडारण आदि क्षेत्रों में नवाचार अपनाते हुए रोजगार के नवीन अवसर सृजित किए जाएं। कृषि क्षेत्र में शोध और अनुसंधान में भी आधुनिक दृष्टिकोण के साथ हमारे अपने परिवेष को ध्यान में रखते हुए कार्य किया जाए।

राज्यपाल ने कहा कि कृषि में आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स और ड्रोन तकनीक का बढ़ता हुआ महत्व न केवल खेती के पारम्परिक तरीकों को बदल रहा है, बल्कि इसे अधिक कुशल और प्रभावी भी बना रहा है। उन्होंने कहा कि एग्री-टूरिज्म कृषि के क्षेत्र में नवाचार और स्थिरता को बढ़ावा देने का महत्वपूर्ण आयाम है। इससे न केवल किसानों की आय में वृद्धि हो सकती है बल्कि पर्यावरण को भी संरक्षित किया जा सकता है। यह किसानों के लिए अतिरिक्त आय का स्रोत है और पर्यटकों को प्रकृति और कृषि के प्रति जागरूक भी करता है। एग्री-टूरिज्म को बढ़ावा कैसे मिले और कैसे युवाओं को प्रेरित किया जाए-इस पर भी विश्वविद्यालय कार्य करें। कोटा संभाग में एग्री-टूरिज्म के क्षेत्र में काफी संभावनाएं हैं।

बेटियों के साथ बेटों को भी आगे बढ़ने के पूरे अवसर प्रदान करेगी सरकार : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि देश और प्रदेश की उन्नति में युवाओं की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है तथा राज्य सरकार आपणो अग्रणी राजस्थान के संकल्प के अनुरूप युवा शक्ति के उन्नयन के साथ शिक्षित और समृद्ध प्रदेश के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है।

शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रतिनिधि मण्डल से मुलाकात के दौरान सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मानना है कि इस देश में युवा, महिला, किसान, गरीब जैसे चार वर्ग हैं, जिनके उत्थान के लिए राज्य सरकार लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती में महिलाओं के लिए 30 से बढ़ाकर 50 प्रतिशत आरक्षण करने से प्राथमिक स्तर पर हमारे बच्चों की नींव मजबूत होगी। उन्होंने आश्वस्त किया कि राज्य सरकार बेटियों के साथ बेटों को भी आगे बढ़ने के पूरे अवसर प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी परिवर्तित बजट में युवाओं के कल्याण तथा सशक्तिकरण के लिए विभिन्न निर्णयों का समावेश किया जाएगा। इस अवसर पर युवाओं ने विश्वविद्यालयों में शोध को बढ़ावा देने, रोजगार के लिए विशेष अभियान, खेल सुविधाओं का विस्तार, महिला सुरक्षा, परंपरागत खेलों को बढ़ावा देने, भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार सहित विभिन्न विषयों पर अपने सुझाव भी दिए। उन्होंने कहा कि छात्र संगठनों को युवाओं की समस्याओं को उजागर करने के साथ-साथ उनके समाधान का भी माध्यम बनना चाहिए। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल के साथ युवा सशक्तिकरण व छात्र कल्याण से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की।

इससे पहले संगठन के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री को पुष्पगुच्छ भेंट कर ध्येय यात्रा पुस्तक भेंट की। इस दौरान राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों से आए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रतिनिधि मौजूद थे।

दक्षिण-पश्चिम मानसून पहुंचा राजस्थान

जयपुर। दक्षिण-पश्चिम मानसून मंगलवार को राजस्थान पहुंच गया। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी। मौसम विभाग ने बताया कि मानसून उत्तरी अरब सागर, गुजरात, मध्य प्रदेश और दक्षिण-पूर्वी राजस्थान के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, मानसून की उत्तरी सीमा मुंद्रा, महेसाणा, उदयपुर, शिवपुरी, सिद्धि, चाईबासा, हल्दिया, पाकुड़, साहिबगंज और रक्सौल से होकर गुजर रही है।

मौसम केंद्र ने बताया कि अगले तीन से चार दिनों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के राजस्थान के अधिकतर भागों में आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं। मौसम केंद्र के मुताबिक, अगले 24 घंटों में कोटा और उदयपुर संभाग के कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है। मौसम विभाग ने बताया कि 25 तथा 26 जून को पूर्वी राजस्थान में कुछ स्थानों पर गरज के साथ छींटे पड़ने और हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। विभाग ने बताया कि अगले सात दिनों में पश्चिमी राजस्थान में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।

भ्रष्टाचार के मामले में तीन सहायक अभियंताओं को तीन-तीन साल की सजा

अलवर। राजस्थान में अलवर के विशिष्ट न्यायालय भ्रष्टाचार निवारण मामलात ने चौबीस वर्ष पूर्व जलदाय विभाग में समान की खरीद-फरोख्त में लाखों का घोटाला करने मामले में तीन सहायक अभियन्ताओं एवं दो ठेकेदारों को तीन-तीन वर्षों की सजा सुनायी है। विशिष्ट लोक अभियोजक शारदा गोयल ने बताया कि वर्ष 2000 में जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग में समान की खरीद में लाखों रुपये के घोटाले से जुडे़ एक मामले का निस्तारण करते हुये मंगलवार को विद्वान न्यायाधीश अरूण कुमार बेरीवाल ने सहायक अभियन्ता शिवनारायण पोटर, हरलाल सिंह विकास नगर मथुरा गेट, भरतपुर, गिर्राज प्रसाद तथा ठेकेदार अभिषेक शर्मा और अतुल प्रसाद राजेन्द्र नगर दिल्ली को भ्रष्टाचार की धारा 13, 1 डी 1 में तीन साल की सजा एवं 20,000 रुपये जुर्माना, धारा 120बी में तीन साल की सजा एवं 10,000 रुपये के दण्ड से दण्डित किया गया है, जबकि स्टोर कीपर सतीश अग्रवाल को दोषी नहीं पाये जाने पर बरी कर दिया गया है। गौरतलब है कि ये सभी अधिकारी वर्तमान में सेवानिवृत्त हो चुके हैं।

ट्रक-कार टक्कर में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत

जयपुर। राजस्थान के सीकर में बीकानेर राजमार्ग पर सोमवार को एक कार और एक ट्रक की टक्कर में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि ट्रक चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिया, जिसके कारण पीछे आ रही कार ट्रक से टकरा गई। उसने बताया कि कार में आसमा खातून (40), उनकी बेटी फिरदौस (14) तथा बेटा सद्दाम (10) की मौत हो गई।

नीट को लेकर कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा 'राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी)' के आयोजन में कथित गड़बड़ी को लेकर सोमवार को कोटा में विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस की राजस्थान इकाई के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता टीका राम जूली के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने राज्य में बिजली संकट और कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर भाजपा नीत राज्य सरकार के खिलाफ भी विरोध प्रदर्शन किया।

डोटासरा ने यहां जिलाधिकारी कार्यालय चौराहे के पास 'सर्किट हाउस' में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए नीट-यूजी परीक्षा रद्द करने और कथित नीट-यूजी प्रश्नपत्र लीक की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने की मांग की। डोटासरा ने सवाल किया, जब राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित यूजीसी-नेट, नीट-पीजी और सीएसआईआर यूजीसी-नेट जैसी परीक्षाएं रद्द की जा सकती हैं, तो सरकार नीट-यूजी को रद्द क्यों नहीं कर रही है। यह एक बड़ा घोटाला है। उन्होंने राजस्थान में कानून व्यवस्था की स्थिति के लिए भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार और केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार पर भी निशाना साधा। डोटासरा ने दावा किया कि भाजपा शासन के पिछले पांच महीनों में राज्य में 2,875 लड़कियों और महिलाओं के साथ दुष्कर्म हुआ है।

युवक की हत्या से गुस्साए परिवार ने पुलिस चौकी में की तोड़फोड़

जयपुर। राजस्थान के जयपुर में 23 वर्षीय युवक की हत्या के बाद गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने जोबनेर इलाके की एक पुलिस चौकी में तोड़फोड़ की। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सोमवार को अजय कुमार (23) घायल अवस्था में मिले थे और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां उनकी मौत हो गयी। जयपुर (ग्रामीण) के पुलिस अधीक्षक शांतनु कुमार ने बताया कि अजय के परिवार के सदस्य और रिश्तेदार जोबनेर थाने पहुंचे और प्रदर्शन करने लगे।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इन लोगों ने आरोप लगाया कि अजय कुमार एक दुकान में काम करते थे और दुकानदार ने उनकी हत्या कर दी। उन्होंने कहा, उनमें से कुछ लोग यह आरोप लगाते हुए चौकी में घुस गये और तोड़फोड़ की कि वहां तैनात पुलिसकर्मियों ने लापरवाही बरती थी। पुलिस के मुताबिक, अजय के परिवार ने आरोप लगाया कि वह हत्या का मामला दर्ज कराना चाहते थे लेकिन चौकी में तैनात पुलिसकर्मियों ने ऐसा करने से मना कर दिया। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है और साथ ही सरकारी संपत्ति नुकसान रोकथाम अधिनियम के तहत भी मामला दर्ज किया गया है।

धामी ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की, उत्तराखंड के विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की और राज्य के विकास से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री को राज्य हित में लंबित जल विद्युत परियोजनाओं के निर्माण की अनुमति दिये जाने का अनुरोध किया।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से निर्माण कार्यों के प्रभावी क्रियान्वयन में क्षतिपूरक पौधरोपण के लिए वन भूमि हस्तांतरण को व्यवहारिक बनाये जाने, मानसखंड मन्दिर माला मिशन के लिए एक हजार करोड़ रुपये की सहायता प्रदान करने और उत्तराखण्ड में प्रस्तावित तीन सुरंग परियोजनाओं को स्वीकृति देने का अनुरोध किया।

धामी ने मोदी को तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री का दायित्व संभालने पर हार्दिक शुभकामनाएं दीं और विश्वास व्यक्त किया कि उनके कुशल नेतृत्व में देश समग्र विकास के नए आयाम प्राप्त कर सम्पूर्ण विश्व में सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित करने में सफल होगा। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर प्रधानमंत्री को महासू मंदिर की प्रतिकृति भेंट की।

धामी ने प्रधानमंत्री को बताया कि उत्तराखंड राज्य के सामाजिक एवं आर्थिक विकास के लिए जल विद्युत परियोजनायें राज्य के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में वृद्धि का मुख्य कारक हैं और राज्य की विद्युत ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए उत्तराखंड को खुले बाजार से प्रतिवर्ष लगभग 1000 करोड़ रुपये की बिजली खरीदनी पड़ती है, जिससे राज्य के वित्तीय संसाधनों पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है।

बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने अलकनंदा, भागीरथी तथा सहायक नदियों में प्रस्तावित 24 जल विद्युत परियोजनाओं के बारे में उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर गठित विशेषज्ञ समिति-2 की अन्तिम रिपोर्ट पर जल शक्ति मंत्रालय तथा विद्युत मंत्रालय के साथ पुर्नसमीक्षा करने के लिए प्रधानमंत्री से अनुरोध किया ।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री मोदी से उत्तराखंड में रेल सेवाओं के विस्तार के लिये देहरादून-मसूरी रेल लाइन परियोजना की स्वीकृति रेल मंत्रालय से करवाने के लिए अनुरोध किया। इसके साथ ही उन्होंने उत्तराखंड में प्रस्तावित ज्योलिकांग-वेदांग, सीपू-तोला और मिलम- लैपथल सुरंग परियोजनाओं की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति का अनुरोध किया।

राम मंदिर भवन निर्माण समिति ने गर्भगृह में बारिश का पानी भरने के आरोप नकारे

अयोध्या/भाषा। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने मंदिर के गर्भगृह में बारिश का पानी भरने के आरोपों को सिरे से नकारते हुए कहा कि मंदिर निर्माण कार्य की गुणवत्ता में कोई भी कमी नहीं है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट राम मंदिर का निर्माण करा रहा है।

राम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने आरोप लगाया था कि शनिवार आधी रात को हुई बारिश के कारण गर्भगृह में मंदिर की छत से तेजी से पानी टपक रहा था और रविवार सुबह फर्श पर पानी भरा हुआ था। दास ने कहा कि काफी मशक्कत के बाद मंदिर परिसर से पानी निकाला गया हालांकि नृपेंद्र मिश्रा ने इन आरोपों को सिरे से नकार दिया। मिश्रा ने कहा, ''पहले मैं आपको एक बात स्पष्ट करना चाहूंगा। समाचार पत्रों में यह बात छपी है कि मंदिर की छत से बारिश का पानी टपका, जिस वजह से गर्भगृह में या अन्य स्थानों पर पानी भरा। ऐसा कुछ भी नहीं है। मैंने स्वयं निरीक्षण किया।'' मिश्रा ने कहा, गुरु मंडप की जो छत और गुंबद है, उसका निर्माण कार्य अभी पूरा नहीं हुआ है।

झारखंड के मुख्यमंत्री ने आदिवासी रेजिमेंट के गठन की इच्छा जताई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने मंगलवार को भारतीय सेना में जाट, बिहार और सिख रेजिमेंट की तर्ज पर आदिवासी रेजिमेंट के गठन की मंशा जाहिर की। सेना की पूर्वी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ लेफ्टिनेंट जनरल राम चंद्र तिवारी द्वारा राज्य सचिवालय में शिष्टाचार भेंट के दौरान, मुख्यमंत्री ने इस बात पर बल दिया कि आदिवासी रेजिमेंट के गठन से सेना में देशभर के आदिवासियों को अलग पहचान मिलेगी। सोरेन ने सेना में झारखंड के आदिवासी युवाओं के महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डाला और स्थानीय लोगों के लिए भर्ती में अवसर बढ़ाने की वकालत की।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार लेफ्टिनेंट जनरल तिवारी ने पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से झारखंड में एक पारिस्थितिक प्रांतीय सेना के गठन का प्रस्ताव रखा। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि इस पहल को लेकर सेना की ओर से औपचारिक प्रस्ताव मिलने पर पूरा सहयोग किया जाएगा। पारिस्थितिक प्रांतीय सेना में पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों के लिए समर्पित पूर्व सैनिक शामिल हैं। झारखंड में पारिस्थितिक प्रादेशिक सेना की स्थापना से सेना को बड़े पैमाने पर पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी पहल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने में मदद मिलेगी। बाद में, लेफ्टिनेंट जनरल तिवारी ने राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात की।

कांग्रेस से अपील कि लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए चुनाव को मजबूर न करें : किरेन रीजीजू

नई दिल्ली/भाषा। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने मंगलवार को कांग्रेस से अपील की कि वह लोकसभा अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए दबाव नहीं डाले, क्योंकि पीठासीन अधिकारी किसी पार्टी से संबंधित नहीं होता है। लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार ओम बिरला के खिलाफ कांग्रेस नेता कोडिकुन्निल सुरेश के नामांकन दाखिल करने के बाद रीजीजू का यह बयान सामने आया है। सुरेश के नामांकन दाखिल करने के कारण इस पद के लिए 48 साल बाद चुनाव होने की उम्मीद है।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा, ''मैं एक बार फिर अपील करता हूं कि उन्हें (कांग्रेस को) अध्यक्ष पद की गरिमा को ध्यान में रखते हुए एक बार फिर से सोचना चाहिए। हमारे पास (जरूरी) संख्या है, फिर भी हम अनुरोध कर रहे हैं कि अध्यक्ष पद के लिए चुनाव नहीं होना चाहिए, क्योंकि यह पद किसी पार्टी से संबंधित नहीं होता है।'' उन्होंने कहा कि सरकार ने अध्यक्ष पद पर आम सहमति के लिए पिछले दो दिन में प्रमुख विपक्षी दलों से संपर्क किया है।

रीजीजू ने कहा, ''हम चाहते हैं कि अध्यक्ष का चुनाव सर्वसम्मति से और निर्विरोध हो, इसलिए हमने उनसे (विपक्ष से) संपर्क किया और उनसे अपील की। आज, हमने कांग्रेस नेताओं के साथ बैठक की। हमने उनसे अध्यक्ष पद के लिए समर्थन की अपील की। उन्होंने (विपक्ष ने) कहा कि वे समर्थन करेंगे लेकिन वे उपाध्यक्ष का पद चाहते हैं।''

ओम बिरला के खिलाफ उम्मीदवार उतारने के लिए नड्डा ने की विपक्ष की आलोचना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने मंगलवार को कांग्रेस को 'आपातकाल के काले दिनों' की याद दिलाते हुए उसपर तीखा हमला बोला और साथ ही लोकसभा अध्यक्ष पद के चुनाव में सत्तारूढ़ गठबंधन के खिलाफ उम्मीदवार उतारने के लिए विपक्ष की आलोचना की।

लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव में कांग्रेस ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के ओम बिरला के खिलाफ अपनी पार्टी के वरिष्ठ नेता के सुरेश को उम्मीदवार बनाया है।

पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा 1975 में लगाए गए आपातकाल की 49वीं बरसी के मौके पर भाजपा मुख्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नड्डा ने लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव के मुद्दे पर कांग्रेस पर 'पाखंड' और 'दोहरे मापदंड' अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि मुख्य विपक्षी दल की मानसिकता में लोकतंत्र के लिए कोई जगह नहीं है।

नड्डा ने सवाल किया, ''आज तक कभी भी लोकसभा के स्पीकर का चुनाव सशर्त हुआ है? ये (विपक्ष) कह रहे हैं कि डिप्टी स्पीकर तय करो तब हम स्पीकर को समर्थन देंगे।'' उन्होंने कहा कि यह बात वह लोग कह रहे हैं जिन्होंने अपने शासन वाले राज्यों में खुद इसका पालन नहीं किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार में तेलंगाना में स्पीकर और डिप्टी स्पीकर दोनों अपने बनाए हैं। उन्होंने कहा, ''कनार्टक में इनका ही स्पीकर और इनका ही डिप्टी स्पीकर है। ममता बनर्जी लोकतंत्र की बात करती हैं लेकिन पश्चिम बंगाल में भी टीएमसी का ही स्पीकर और डिप्टी स्पीकर है। तमिलनाडु में इनका ही स्पीकर और इनका ही डिप्टी स्पीकर, केरल में वामपंथी दलों का स्पीकर और डिप्टी स्पीकर।'' उन्होंने कहा, ''हाथी के दांत दिखाने के कुछ और और खाने के कुछ और हैं। ये ऐसे लोग हैं जो पाखंड करते हैं और दोहरे मापदंड में जीते हैं। इनके मन में आज भी वही आपातकाल वाली सोच है। मेरी मानो नहीं तो हम आपके साथ जो व्यवहार करेंगे वह तो करेंगे।'' नड्डा ने कहा कि यह प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार थी जिसने 25 जून, 1975 को आपातकाल लगाकर देश के लोकतंत्र का गला घोंट दिया था और विरोध करने वालों पर बड़े पैमाने पर अत्याचार किए थे।

उन्होंने आरोप लगाया, ''संविधान का कई बार अपमान और अनदेखी करने वालों ने खुद को संविधान रक्षक घोषित किया है।''

उत्तर प्रदेश सरकार ने अयोध्या में विश्व स्तरीय मंदिर संग्रहालय के निर्माण को मंजूरी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में विश्वस्तरीय भारतीय मंदिर संग्रहालय के निर्माण के प्रस्ताव को प्रदेश सरकार ने मंगलवार को मंजूरी दे दी। संग्रहालय के निर्माण के लिये पर्यटन विभाग 90 साल के लिये पट्टे पर जमीन देगा।

प्रदेश के पर्यटन मंत्री ठाकुर जयवीर सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक के बाद संवाददाताओं को बताया कि 'टाटा संस' कंपनी ने केन्द्र सरकार के जरिये एक प्रस्ताव राज्य को दिया था, जिसमें कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व कोष (सीएसआर फंड) से 650 करोड़ रुपए की लागत से अयोध्या में एक विश्व स्तरीय भारतीय मंदिर संग्रहालय के निर्माण की पेशकश की गई थी।

सिंह ने कहा कि इसके अलावा अन्य विकास कार्यों के लिए 100 करोड रुपए देने का प्रस्ताव किया गया था। सिंह ने कहा कि इन प्रस्तावों को मंत्रिमंडल ने मंगलवार को मंजूरी दे दी। उन्होंने कहा कि इस मंदिर संग्रहालय के निर्माण के लिये पर्यटन विभाग एक रुपये की लीज पर 90 साल के लिए जमीन उपलब्ध कराएगी। भारतीय मंदिरों की समृद्ध स्थापत्य परंपराओं को प्रदर्शित करने के लिए अयोध्या में एक संग्रहालय बनाया जाएगा और इस परियोजना के लिए 25 एकड़ भूमि की पहचान कर ली गई है।

प्रश्न पत्र लीक की घटनाओं पर रोक के लिए अध्यादेश को मंजूरी, उम्रकैद और जुर्माने का प्रावधान

लखनऊ/भाषा। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) प्रश्न पत्र लीक को लेकर छिड़े विवाद के बीच उत्तर प्रदेश सरकार ने सार्वजनिक परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक कराने और परीक्षा में अनुचित साधनों के इस्तेमाल पर लगाम लगाने के लिये अध्यादेश के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आयोजित राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में लिये गये इस अहम फैसले की जानकारी देते हुए बताया कि प्रश्न पत्र लीक के संबंध में मंत्रिमंडल ने एक अध्यादेश के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। प्रस्ताव के तहत प्रश्न पत्र लीक करने के मामले में पकड़े जाने वाले लोगों को दो वर्ष से लेकर आजीवन कारावास तक की कैद और एक करोड़ रुपए तक के जुर्माने की सजा का प्रावधान किया गया है।

भारत को सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण में निवेश करना चाहिए : वायुसेना प्रमुख चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वी आर चौधरी ने मंगलवार को कहा कि वर्तमान परिदृश्य सीमा विवादों और आतंकवाद से लेकर साइबर खतरों एवं क्षेत्रीय अस्थिरता तक ''बहुआयामी चुनौतियां'' पेश करता है तथा भारत को इस चुनौतीपूर्ण स्थिति से निकलने के लिए अपने सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण में निवेश करना चाहिए।

वायुसेना प्रमुख ने यहां एक संगोष्ठी को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि आधुनिक युद्ध को त्वरित प्रौद्योगिकी उन्नयन, असमान्य खतरों के रूप में परिभाषित किया जा सकता है और भू-राजनीति, सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य को व्यापक रूप से समझने की जरूरत है।

विश्व के कुछ क्षेत्रों में टकराव के बीच उभरती भू-राजनीति की पृष्ठभूमि में उनकी यह टिप्पणी आई है। संगोष्ठी का आयोजन भारतीय वायुसेना, कॉलेज ऑफ एयर वारफेयर (सीएडब्ल्यू) और सेंटर फॉर एयर पावर स्टडीज (सीएपीएस) द्वारा सुब्रतो पार्क स्थित वायुसेना सभागार में 'तीसरे युद्ध एवं एयरोस्पेस रणनीति कार्यक्रम' (डब्ल्यूएएसपी) के समापन के अवसर पर किया गया था। वायुसेना प्रमुख ने कहा कि इस ''बहुआयामी परिदृश्य'' के लिए ऐसे सैन्य कर्मियों की आवश्यकता है जो न केवल युद्ध कौशल से लैस हों, बल्कि अपने कार्यों के व्यापक निहितार्थों की गहरी समझ भी रखते हों। उन्होंने कहा, ''इसलिए, मेरी राय में एक दक्ष योद्धा ऐसा सैन्य पेशेवर है जो वर्तमान समय में ''जटिल होते जा रहे सुरक्षा माहौल'' में बौद्धिक कौशल को युद्ध कौशल के साथ जोड़ता है।'' वायुसेना प्रमुख ने कहा कि भारत के सामरिक सोच-विचार की जड़ें ईसा पूर्व चौथी सदी में लिखे गए (कौटिल्य के) अर्थशास्त्र जैसी प्राचीन रचनाओं तक जाती हैं।

वायुसेना प्रमुख ने इस बात पर जोर देने के लिए प्राचीन यूनानी इतिहासकार थ्यूसिडाइड के शब्दों का भी हवाला दिया, जिन्होंने कहा था, ''जो समाज अपने विद्वानों को अपने योद्धाओं से अलग करता है, वहां सोच-विचार कायरों द्वारा और युद्ध मूर्खों द्वारा लड़ी जाएगी।'' उन्होंने कहा कि भारत की सामरिक कार्यशैली ऐतिहासिक अनुभवों और ''निरंतर विकसित हो रहे भू-राजनीतिक वातावरण'' से आकार लेती है। वायुसेना प्रमुख ने कहा कि यह सामरिक स्वायत्ता, सावधानी और एक मजबूत क्षेत्रीय अखंडता पर जोर देती है। उन्होंने कहा, ''वर्तमान सुरक्षा परिदृश्य सीमा विवाद और आतंकवाद से लेकर साइबर खतरों और क्षेत्रीय अस्थिरता तक बहुआयामी चुनौतियां प्रस्तुत करता है।

हार सुनिश्चित दिखती है तो कांग्रेस किसी दलित को उम्मीदवार बना देती है: चिराग पासवान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने मंगलवार को कांग्रेस पर आरोप लगाया कि महत्वपूर्ण पदों पर जब उसे हार सुनिश्चित दिखती है तो वह किसी दलित नेता को 'प्रतीकात्मक उम्मीदवार' के रूप में मैदान में उतार देती है।

लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव में विपक्षी दलों की ओर से कोडिकुन्नील सुरेश को उम्मीदवार बनाए जाने के बाद दलित नेता और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए यह टिप्पणी की है। सरकार और विपक्ष के बीच मंगलवार को आम-सहमति नहीं बन सकी। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार तथा भाजपा सांसद ओम बिरला का मुकाबला कांग्रेस प्रत्याशी के. सुरेश के साथ होगा। सुरेश आठवीं बार सांसद बने हैं और वह दलित समुदाय से आते हैं। चिराग पासवान ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''जब भी कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष को पता चलता है कि उनकी हार सुनिश्चित है तो वे दलित कार्ड चल देते हैं।'' पासवान ने कहा कि साल 2002 में उन्हें पता था कि वे उपराष्ट्रपति पद का चुनाव हार रहे हैं फिर भी उन्होंने सुशील कुमार शिंदे को उम्मीदवार बनाया था। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार 2017 में जब वे जानते थे कि वे राष्ट्रपति पद का चुनाव हार रहे हैं तो उन्होंने मीरा कुमार को उम्मीदवार बनाया। उन्होंने कहा, ''अब जब उनके पास स्पष्ट रूप से लोक सभा अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए संख्याबल नहीं है तो वे कांग्रेस के दलित के नेता के.सुरेश जी को नामांकित कर रहे हैं।''

'री-नीट' की मांग वाली टी-शर्ट पहनकर पप्पू यादव ने ली शपथ

नई दिल्ली/भाषा। बिहार के पूर्णिया से निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव नीट-यूजी की फिर से परीक्षा कराए जाने की मांग करते हुए मंगलवार को 'री-नीट' लिखी हुई टी-शर्ट पहनकर संसद पहुंचे थे और इसी में उन्होंने सदस्यता की शपथ भी ली। यादव ने शपथ के बाद फिर से परीक्षा कराने की मांग भी की, लेकिन उनकी बात को रिकॉर्ड से हटा दिया गया। शपथ ग्रहण के बाद यादव ने संवाददाताओं से कहा कि लाखों छात्र फिर से परीक्षा की मांग कर रहे हैं और उनकी मांग मानी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा भी मिलना चाहिए। नीट-यूजी की परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर इन दिनों बड़ा विवाद खड़ा हुआ है।

चुनावों में हार के बाद बाइचुंग भूटिया ने राजनीति से लिया संन्यास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गंगटोक/भाषा। भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान बाइचुंग भूटिया ने सोमवार को राजनीति से संन्यास लेने की घोषणा की। उन्होंने यह फैसला हाल में संपन्न सिक्किम विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद लिया है।

सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट (एसडीएफ) के उपाध्यक्ष भूटिया को बरफुंग सीट से सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसएकेएम) उम्मीदवार रिकशाल दोरजी भूटिया के हाथों हार मिली थी। यह उनकी छठी चुनावी हार थी। भूटिया 2014 में तब राजनीति में आए जब तृणमूल कांग्रेस ने उन्हें दार्जीलिंग लोकसभा सीट से अपना उम्मीदवार बनाया। उन्होंने 2018 में हमरो सिक्किम पार्टी का गठन किया और अपने गृह राज्य की राजनीति में प्रवेश किया। पिछले साल उन्होंने अपनी पार्टी का विलय पवन चामलिंग नीत एसडीएफ में कर दिया। भूटिया ने यहां जारी एक बयान में कहा, ''सबसे पहले मैं माननीय पी. एस.तमांग और सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा को विधानसभा चुनाव में जीत की बधाई देना चाहता हूं। सिक्किम की जनता ने उन्हें शानदार जनमत दिया है और मुझे उम्मीद है कि एसकेएम सरकार अपने वादों को पूरा करेगी और सिक्किम को सभी क्षेत्रों में नई ऊंचाई पर ले जाएगी।''

अफगानिस्तान ने रचा इतिहास, पहली बार टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

किंग्सटाउन/भाषा। विषमता से सफलता के सफर में अपने क्रिकेट इतिहास का सबसे सुनहरा पन्ना लिखते हुए अफगानिस्तान ने टी20 विश्व कप सुपर आठ चरण के मैच में डकवर्थ लुईस प्रणाली से बांग्लादेश को आठ विकेट से हराकर पहली बार सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया ।

जैसे ही नवीनुल हक ने 18वें ओवर की चौथी गेंद पर तस्कीन अहमद का विकेट लिया, उनके साथी खिलाड़ियों से लेकर स्टेडियम में मौजूद समर्थकों तक की आंखें भर आई । कैरेबियाई सरजमीं से काबुल तक क्रिकेटप्रेमियों को भावविभोर करने वाली इस उपलब्धि का कयास क्रिकेट पंडित भी नहीं लगा सके थे । राजनीतिक अस्थिरता, युद्ध की विभीषिका झेलने वाले देश की ऐसी टीम ने यह कारनामा कर दिखाया जिसके पास अभ्यास के लिये खुद का मैदान तक नहीं है ।

इस रोमांचक मुकाबले में पासा पल पल बदलता रहा लेकिन आखिर में बाजी राशिद खान के रणबांकुरों के नाम रही जिन्होंने इस जीत के साथ आस्ट्रेलिया जैसे दिग्गज का टूर्नामेंट से बोरिया बिस्तर भी बांध दिया । अब सेमीफाइनल में 27 जून को अफगानिस्तान का सामना दक्षिण अफ्रीका से और भारत की टक्कर इंग्लैंड से होगी । इससे पहले बांग्लादेश के गेंदबाजों ने बेहतरीन

प्रदर्शन करते हुए अफगानिस्तान को पांच विकेट पर 115 रन पर रोक दिया । लेग स्पिनर रिशाद हुसैन ने 26 रन देकर तीन विकेट चटकाये । शानदार फॉर्म में चल रहे सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज भी खुलकर नहीं खेल पाये और 43 रन बनाने के लिये 55 गेंदें खेल डाली । जवाब में अफगानिस्तान ने बांग्लादेश को 17 . 5 ओवर में 105 रन पर आउट कर दिया । राशिद खान ने 23 रन देकर और तेज गेंदबाज नवीनुल हक ने 26 रन देकर चार चार विकेट लिये । बांग्लादेश के लिये लिटन दास (नाबाद 54) अकेले किला लड़ाते रहे । बारिश के कारण खेल कई बार रूका ।

अफगानिस्तान ने अब तक बल्लेबाजी और गेंदबाजी में अपनी सलामी जोड़ी के दम पर जीत दर्ज की है और आज भी कहानी वही रही । गुरबाज और इब्राहिम जदरान ने 59 रन की साझेदारी की तो फजलहक फारूकी और नवीनुल ने नई गेंद से विकेट लिये ।

शुरूआती विकेट लेने के आदी फारूकी ने तंजीद हसन को दूसरे ही ओवर में पवेलियन भेजा । इसके बाद नवीनुल ने नजमुल हुसैन शांतो और शाकिब अल हसन के कीमती विकेट लिये । बांग्लादेश का स्कोर उस समय तीन विकेट पर 31 रन था जब बारिश के कारण खेल रूका । खेल बहाल होने पर पावरप्ले के छह ओवर में उसने तीन विकेट पर 46 रन बना लिये थे । ऐसे में राशिद ने गेंद संभाली और लगातार ओवरों में विकेट लिये । उन्होंने लगातार दो विकेट लेकर टी20 क्रिकेट में सबसे तेजी से 150 विकेट पूरे करके न्यूजीलैंड के टिम साउदी को पछाड़ा । एक बार फिर बारिश से खलल पड़ा जब बांग्लादेश डकवर्थ लुईस प्रणाली के आधार पर पीछे थी । ऐसे में अफगानिस्तान के हरफनमौला गुलबदिन नायब अचानक ऐंठन के कारण गिर पड़े जिसे खेल में विलंब करने का शिगूफा माना जा रहा है । उधर खेल बहाल होने पर लिटन ने स्क्वेयर लेग में चौका लगाकर अर्धशतक पूरा किया।

मंधाना और हरमनप्रीत महिला वनडे रैंकिंग में शीर्ष 10 में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/भाषा। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर आईसीसी की महिला वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में दो पायदान आगे नौवें स्थान पर पहुंच गई जबकि उपकप्तान स्मृति मंधाना एक पायदान नीचे चौथे स्थान पर खिसक गई।

मंधाना के 738 जबकि हरमनप्रीत के 648 रेटिंग अंक हैं। मंधाना ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल में समाप्त हुई तीन मैच की श्रृंखला में 343 रन बनाकर शीर्ष 10 में अपनी जगह बनाए रखी।

दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोलवार्ट ने शीर्ष रैंकिंग हासिल करने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए। वह तीन पायदान चढकर दूसरे स्थान पर पहुंच गई है तथा इंग्लैंड की नंबर एक बल्लेबाज नैट साइवर ब्रंट से केवल 16 अंक पीछे है।

दक्षिण अफ्रीका इस श्रृंखला के तीनों मैच में हार गया था लेकिन वोलवार्ट ने दूसरे मैच में नाबाद 135 रन की पारी खेली थी।

गेंदबाजी में भारतीय स्पिनर दीप्ति शर्मा चौथे स्थान पर बनी हुई है। उनके 671 रेटिंग अंक हैं।

सुविचार

जमाने की नजर में थोड़ा सा अकड़ कर चलना सीख लो, मोम जैसा दिल लेकर फिरोगे तो लोग जलाते ही रहेंगे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्रसिद्धि का खतरनाक चस्का

सोशल मीडिया पर प्रसिद्धि पाने का चस्का लोगों की जान पर भारी पड़ रहा है। हाल में एक के बाद एक जो वीडियो सामने आए, उन्हें देखकर हैरत होती है। कई लोग अपनी और दूसरों की जान को सिर्फ इसलिए जोखिम में डाल देते हैं, ताकि उनका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो जाए, दुनिया उन्हें जाने, उनके बारे में बातें करे! इस किस्म के वीडियो बनाते हुए कुछ लोग जान तक गंवा चुके हैं, लेकिन प्रसिद्धि पाने का मोह ऐसा छाया हुआ है कि उल्टी-सीधी हरकतें बंद होने का नाम नहीं ले रहीं। क्या यह क्षणिक प्रचार जीवन से बढ़कर है? अगर खतरनाक कारनामा करते वक्त चोट नहीं लगी और वीडियो वायरल हो भी गया तो उससे क्या हासिल हो जाएगा? ऐसा तो नहीं है कि खुद की और दूसरों की जान जोखिम में डालकर वीडियो बनाने से कोई व्यक्ति इतिहास में 'अमर' हो जाएगा! सोशल मीडिया पर पोस्ट करने की ऐसी सनक पुणे में उन तीन युवाओं को बहुत महंगी पड़ सकती थी, जिनका वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज किया है। वीडियो में दिखाई दे रही लड़की अपने साथी का हाथ पकड़कर ऊंची इमारत से लटकी हुई थी। ऐसा काम करना कोई बहादुरी तो नहीं है। अगर ज़रा-सी भी चूक हो जाती तो कोई बड़ा हादसा हो सकता था। उसके बाद हर कोई सरकार और प्रशासन को जिम्मेदार ठहराता। प्राय: ऐसे युवाओं पर उन फिल्मों का ज्यादा असर होता है, जिनमें कोई हीरो खतरनाक स्टंट करते हुए ऊंची-ऊंची इमारतों से छलांग लगाता है, आग की लपटों से घिर कर भी सुरक्षित निकल आता है, उड़ते हवाईजहाज को छलांग लगाकर पकड़ लेता है, एक ही वार से मजबूत दीवार को तोड़ देता है ... उसके बाद दो-तीन दर्जन गुंडों की पिटाई भी कर देता है!

युवाओं को यह नहीं भूलना चाहिए कि फिल्मों में ऐसे बड़े-बड़े कारनामों को अंजाम देने वाले 'हीरो' के साथ हुईं ये तमाम घटनाएं आधुनिक तकनीक का 'चमत्कार' हैं। जहां कहीं जोखिम होता है, वहां उसकी सुरक्षा के लिए पूरी टीम मौजूद होती है। पर्दे पर जैसा दिखता है, हकीकत में वैसा नहीं होता है। हीरो फिल्म में उड़ते विमान या हेलीकॉप्टर को एक ही छलांग में इसलिए पकड़ लेता है, क्योंकि यह कहानी का हिस्सा होता है। अगर फिल्म निर्माता ऐसे किसी दृश्य की अनुमति न दे तो 'हीरो' कितनी ही छलांग लगा ले, वह उड़ते विमान को पकड़ना तो दूर, अपने घर की छत पर बैठे कौए को भी नहीं पकड़ सकता। कई लोग वीडियो बनाते हुए उसमें इस तरह खो जाते हैं कि उन्हें पता ही नहीं चलता कि कितनी बड़ी मुसीबत में फंसने जा रहे हैं! हालांकि एक सामान्य व्यक्ति भी विवेकपूर्ण ढंग से विचार करे तो यह बता सकता है कि ऐसा करने का मतलब है- मौत को दावत देना। गुजरात के कच्छ में कुछ युवाओं का एक समूह अपनी कार को 'समुद्र के अंदर' इसलिए ले गया, क्योंकि सबको वीडियो बनाकर अपने सोशल मीडिया पर 'वाहवाही' हासिल करनी थी। वे लोग समुद्र की लहरों में ऐसे फंसे कि स्थानीय लोग उन्हें बाहर निकालकर लाए। अगर उन्हें समय पर मदद न मिलती और समुद्र की लहरें यूं ही थपेड़े बरसा रही होतीं तो बड़ा हादसा हो सकता था। इसी तरह एक महिला इंस्टाग्राम के लिए नृत्य का वीडियो बना रही थी, जिसकी गोद में उसका बच्चा था। इसी दौरान बच्चा नीचे गिर गया, उसके सिर में चोट लगी, लेकिन महिला हंसते हुए वीडियो बनाती रही! 'आत्मप्रचार' की यह लालसा कहां लेकर जा रही है? पर्यटन, खेल, बहादुरी, नृत्य, संगीत आदि विषयों पर वीडियो बनाना गलत नहीं है, लेकिन इसके साथ विवेक से काम लेना जरूरी है। खुद की या दूसरों की जान जोखिम में डालना अक्लमंदी नहीं है। सोशल मीडिया पर कुछ सेकंड के ऐसे वीडियो, जिसमें खुद की या दूसरों की जान को जोखिम में डाला गया हो, को वायरल करने से अपना नाम इतिहास में सुनहरे अक्षरों में दर्ज नहीं हो जाता। अगर कोई युवा खुद को इतना बहादुर मानता है कि उसे समुद्र की शक्तिशाली लहरों से लेकर इमारतों की बुलंदियों तक ... कोई नहीं डरा सकता, तो उसे अपनी प्रतिभा सेना में भर्ती होकर सरहद पर दिखानी चाहिए। वहां बहादुरी का एक भी कारनामा कर दिखाया तो इतिहास में नाम अमर हो जाएगा। सिर्फ वीडियो वायरल करने के लिए इतना बड़ा जोखिम लेना अस्पताल, जेल या वहां पहुंचा सकता है, जहां से लौटकर कोई नहीं आता।

ट्वीटर टॉक

25 जून, 1975 में तत्कालीन सरकार ने लोकतंत्र की हत्या कर देश में आपातकाल की घोषणा की थी, जो भारतीय इतिहास का सबसे काला दिन था। देश की संसद को निष्क्रय बना कर उच्चतम न्यायालय को मूकदर्शक की हैसियत में तब्दील कर दिया गया।

-वसुंधरा राजे

टी-20 विश्व कप के सुपर-8 मुकाबले में आस्ट्रेलिया पर 24 रन की शानदार जीत दर्ज करके सेमिफाइनल में जगह सुनिश्चित करने पर भारतीय क्रिकेट टीम एवं सभी क्रिकेट प्रेमियों को हार्दिक बधाई! 'विजय अभियान' निरंतरता जारी रहे, ऐसी मेरी शुभकामनाएं हैं।

-दीया कुमारी

'ज्ञान-शील-एकता' के मंत्र के साथ विद्यार्थियों में राष्ट्रवाद की भावना जागृत करने वाले 'अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद' (राजस्थान) के प्रतिनिधि मंडल से आत्मीय भेंट की तथा उनके साथ 'युवा सशक्तिकरण व छात्र कल्याण' से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

शब्दों का सदुपयोग

एक बार मदर टेरेसा अनाथ और वंचितों के लिए धनसंग्रह हेतु एक कस्बे के लिए बस यात्रा कर रही थीं। उनका सादा वेश और उनके सरल तौर-तरीके पर कुछ फैशनेबल यात्रीगण उनको हेय समझ बैठे। मगर, मदर ने उनको जवाब नहीं दिया। कुछ देर बाद एक बस स्टॉप आया। वहां से दो जाने-माने कारोबारी बस में आये और मदर टेरेसा का सम्मान किया। वे चाहते थे कि मदर आराम से उनके वाहन में बैठकर आगे जायें। मगर मदर टेरेसा ने उनको धन्यवाद कर उस बस से ही आगे की यात्रा जारी रखी। अब उनको हेय समझने वाले इतने शर्मिंदा हुए कि मदर के समीप जाकर उन से माफी मांगते हुए बोले, 'आपने हमारे कटु शब्द का जवाब तक न दिया।' मदर उनको आशीर्वाद देती हुई बोली, 'मैं अपनी ऊर्जा और शब्दों का सदुपयोग करती हूं, दुरुपयोग कभी नहीं।' सचमुच, मदर टेरेसा आखिरी सांस तक विनम्र थीं।

सामयिक

युवाओं की सृजनशीलता को मिटा रहे मादक पदार्थ

योगेश कुमार गोयल
मोबाइल : 9034304041.

मादक पदार्थों का सेवन अब मानवता के प्रति सबसे बड़े अपराध का रूप धारण कर चुका है। भारत में मादक पदार्थों के सेवन की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। चिंता का विषय यह है कि अब यह प्रवृत्ति केवल शहरी क्षेत्रों तक ही सीमित नहीं रही है बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी नशे का जाल फैलता जा रहा है। ग्रामीण इलाकों में अफीम, चरस, गांजा, हेरोइन आदि के अलावा इंजेक्शन के जरिये लिए जाने वाले मादक पदार्थों का भी इस्तेमाल होने लगा है। रईसजादे युवक-युवतियों की रेव पार्टियां तो नशे का भयावह आधुनिक रूप है, जहां राजनीतिक संरक्षण के चलते प्रायः पुलिस भी हाथ डालने से बचती है। हालांकि कभी-कभार रेव पार्टियों पर छापा मारकर नशे में मदमस्त लड़के-लड़कियों को गिरफ्तार किया जाता रहा है, जिससे पता चलता रहा है कि देश का आज कोई भी महानगर ऐसा नहीं है, जहां ऐसी रेव पार्टियां रईसजादों की रोजमर्रा की जीवनशैली का हिस्सा न हों। वास्तव में रेव पार्टियां धनाढ्य बिगड़ैल युवाओं की नशे की पार्टियों का ही आधुनिक रूप हैं। कोकीन हो या अन्य ऐसे ही मादक पदार्थ, जिनमें गंध नहीं आती, रसूखदार परिवारों के बिगड़े हुए युवाओं का मनपसंद नशा बनते जा रहे हैं। इस बात से बेखबर कि ये तमाम मादक पदार्थ सीधे शरीर के तंत्रिका तंत्र पर हमला करते हैं और शरीर को भयानक बीमारियों की सौगात देते हैं, ऐसे युवा चंद पलों के मजे के लिए इनके गुलाम बन जाते हैं।

युवाओं को मादक पदार्थों के करीब लाने में इंटरनेट की भूमिका को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारत में नशीले पदार्थों का सेवन करने वालों में करीब चालीस फीसदी कॉलेज छात्र हैं, जिनमें लड़कियों की संख्या भी काफी ज्यादा है। देश के अनेक कॉलेजों में तो अब स्थिति यह है कि बहुत से कॉलेजों के अंदर ही आसानी से नशीले पदार्थ उपलब्ध हो जाते हैं। स्कूल-कॉलेजों के छात्र अक्सर अपने साथियों के कहने या दबाव डालने पर या फिर मॉडर्न दिखने की चाहत में इनका सेवन आरंभ करते हैं। कुछ युवक मादक पदार्थों से होने वाली अनुभूति को अनुभव करने के लिए, कुछ रोमांचक अनुभवों के लिए तो कुछ मानसिक तौर पर परेशानी अथवा हताशा की स्थिति में इनका सेवन शुरू करते हैं। मानव जीवन की रक्षा के लिए बनाई जाने वाली कुछ दवाओं का उपयोग भी लोग अब नशा करने के लिए करने लगे हैं।

देश में नशे के फैलते जाल का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि मादक पदार्थ न सिर्फ मानव शरीर की सुंदरता को नष्ट कर शरीर को खोखला बनाते हैं बल्कि इनका उपयोग युवा पीढ़ी की क्षमताओं को नष्ट कर उनकी सृजनशीलता को भी मिटा रहा है तथा देश के सामाजिक और आर्थिक ढांचे को पंगु बना रहा है। एक बार मादक पदार्थों की लत लग जाए तो व्यक्ति इनके बिना रह नहीं पाता। यही नहीं, उसे पहले जैसा नशे का प्रभाव पैदा करने के लिए और अधिक मात्रा में मादक पदार्थ लेने पड़ते हैं। इस तरह व्यक्ति इनका गुलाम बनकर रह जाता है।

अधिकांश लोगों में गलत धारणाएं विद्यमान हैं कि मादक पदार्थों के सेवन से व्यक्ति की सृजनशीलता बढ़ती है और इससे व्यक्ति में सोच-विचार की क्षमता, एकाग्रता तथा यौन सुख बढ़ता है लेकिन वास्तविकता यही है कि नशे के शिकार लोगों की सोच-विचार की क्षमता और इसकी स्पष्टता खत्म हो जाती है तथा उनके कार्यों में भी कोई तालमेल नहीं रहता। इनके सेवन से कुछ समय के लिए संकोच की भावना जरूर मिट जाती है लेकिन अंततः इससे शरीर की सामान्य कार्यक्षमता में गिरावट आती है। दरअसल नशीली दवाएं या नशीले पदार्थ ऐसे रासायनिक पदार्थ हैं, जो हमारे शरीर की कार्यप्रणाली को बदल देते हैं।

वर्ष 1993 में प्रकाशित अपनी पुरस्कृत पुस्तक मौत को खुला निमंत्रण' में मैंने बताया है कि कोई भी रसायन, जो किसी व्यक्ति की शारीरिक या मानसिक कार्यप्रणाली में बदलाव लाए, मादक पदार्थ कहलाता है और जब इन मादक पदार्थों का उपयोग किसी बीमारी के इलाज या बेहतर स्वास्थ्य के लिए दवा के तौर पर किया जाए तो यह मादक पदार्थों का सही उपयोग कहलाता है लेकिन जब इनका उपयोग दवा के रूप में न होकर इस प्रकार किया जाए कि इनसे व्यक्ति की शारीरिक या मानसिक कार्यप्रणाली को नुकसान पहुंचे तो इसे नशीली दवाओं का दुरूपयोग कहा जाता है। मादक पदार्थों के सेवन का आदी हो जाने पर व्यक्ति में प्रायः कुछ लक्षण प्रकट होते हैं, जिनमें खेलकूद और रोजमर्रा के कार्यों में दिलचस्पी न रहना, भूख कम लगना, वजन कम हो जाना, शरीर में कंपकंपी छूटना, आंखें लाल, सूजी हुई रहना, दिखाई कम देना, चक्कर आना, उल्टी आना, अत्यधिक पसीना आना, शरीर में दर्द, नींद न आना, चिड़चिड़ापन, सुस्ती, आलस्य, निराशा, गहरी चिन्ता इत्यादि प्रमुख हैं। सुई के जरिये मादक पदार्थ लेने वालों को एड्स का खतरा भी रहता है।

देशभर में नशे का अवैध व्यापार तेजी से फल-फूलने के पीछे सबसे बड़ा कारण यही है कि नशे के सौदागरों के लिए मादक पदार्थों की तस्करी सोने का अंडे देने वाली मुर्गी साबित हो रही है। विश्व की कुल अर्थव्यवस्था का 15 फीसदी हिस्सा यही व्यापार रखता है। भारत से मादक पदार्थों की तस्करी अफगानिस्तान, पाकिस्तान, चीन, बर्मा, ईरान आदि देशों के जरिये होती रही है और अवसर मिलते ही ये मादक पदार्थ तस्करी के जरिये पश्चिमी देशों में पहुंचा दिए जाते हैं। हालांकि भारत इस अवैध व्यापार में तस्करों के लिए केवल एक पड़ाव का काम करता है लेकिन इसके दुष्प्रभावों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता क्योंकि इस अवैध व्यापार का तस्करी, आतंकवाद, शहरी क्षेत्र के संगठित अपराध तथा आर्थिक एवं व्यावसायिक अपराधों से काफी करीबी रिश्ता है। इंटरनेशनल नारकोटिक्स कंट्रोल बोर्ड की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भौगोलिक स्थिति के कारण भारत नशीली दवाओं की तस्करी के लिए सबसे अच्छा रास्ता बन गया है।

हालांकि नशे के अवैध व्यापार पर लगाम कसने के लिए हमारे यहां अन्य देशों के मुकाबले बहुत कड़े कानून हैं, फिर भी अपराधी अक्सर कानून की कुछ खामियों की वजह से बच निकलते हैं और यही कारण है कि मादक पदार्थों का अवैध व्यापार भारत में निरंतर फल-फूल रहा है। आज युवा पीढ़ी जिस कदर मादक पदार्थों की शिकंजे में फंस रही है, उसके मद्देनजर समाज का कर्त्तव्य है कि वह युवा वर्ग का मार्गदर्शन करते हुए उसे उचित मार्ग दिखलाए और गलत मार्ग पर चलने से रोके। ऐसे कार्यों को केवल सरकार के ही भरोसे छोड़ देना उचित नहीं बल्कि समाज को भी इस दिशा में ठोस पहल करनी होगी।

नजरिया

सावधान! बच्चों की पहुंच तक आ चुका नशे का जहर

डॉ. प्रितम भि. गेडाम
मोबाइल : 082374 17041

आज के आधुनिक युग में हम कहने को उन्नत हो रहे है, लेकिन संस्कार, जिम्मेदारी, आदरभाव, अपनापन, प्रेम, करुणा, दया भाव, नैतिकता जैसे शब्दों का कोई मोल नज़र नहीं आता। समाज में लगातार अराजकता फ़ैल रही है जिससे, सामाजिक समस्याएँ और अपराधों में तेजी से वृद्धि हुई है। इसके प्रमुख कारणों में से एक नशाख़ोरी है। एक समय था जब हम हशीश, गांजा, कोकीन जैसे खतरनाक नशीले जहर के बारे में केवल सुनते थे और फिल्मों में देखते थे, लेकिन अब ये नशा हमारे अपने लोगों तक भी पहुंच गया है और स्कूल-कॉलेज जाने वाले किशोर इस नशे के आदी होकर अपनी जिंदगी बर्बाद कर रहे हैं। हर दिन मादक पदार्थो की तस्करी की खबरें पढ़ने-सुनने को मिलती है, युवावर्ग तेजी से नशे के प्रति आकर्षित हो रहा है। हुक्का बार, पब, पार्टी का चलन खूब बढ़ रहा है। इस समस्या में सबसे बड़ी ग़लती अभिभावको की नजर आती है, जो आज की युवापीढ़ी को योग्य संस्कार और बेहतर परवरिश देने में नाकाम हो रही है। अक्सर सड़क किनारे, फुटपाथ पर, निर्जन स्थलों पर, खंडहरनुमा मकानों या गलिच्छ बस्तियों में बच्चें से लेकर बड़े तक नशा करते हुए दिखते है। छोटे-छोटे बच्चे भी घातक रसायन, पेट्रोल, सैनिटाइजर, व्हाइटनर, खांसी की दवा, दर्द निवारक, गोंद, पेंट, गैसोलीन सुंघकर नशा करते है, बहुत बार, अभिभावक बच्चों की ऐसी हरकतों को देखकर भी नजरअंदाज कर देते है, जो कि घातक है। देश में 10-17 वर्ष की आयु के लगभग 15.8 मिलियन बच्चे मादक पदार्थों के आदी हैं। वैश्विक मादक पदार्थों की तस्करी का कारोबार 650 बिलियन अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है, जो कुल अवैध अर्थव्यवस्था का 30 प्रतिशत है। हर साल शराब ही दुनिया भर में 2.3 मिलियन मौतों के लिए जिम्मेदार है।

बचपन से महंगे शौक, जिद, गर्लफ्रेंड-बॉयफ्रेंड का चलन, आधुनिकता की जगमगाहट, झूठा दिखावा और फिल्मों, सोशल मीडिया का बच्चों के दिमाग पर बुरे असर ने नशे के प्रति किशोरों के आकर्षण को तीव्र कर जीवन में जहर घोल दिया है। कुछ दिन पहले महाराष्ट्र राज्य के पुणे शहर में एक करोड़पति बिल्डर के नाबालिग नशेड़ी लड़के ने अपनी पोर्श कार से दो अभियांत्रिकी युवाओं को कुचल दिया था, फिर भी बड़े रसूखवाले इस बिल्डर पिता ने अपने अपराधी लड़के को बचाने के लिए भरसक प्रयास किये, चार महीने पहले महाराष्ट्र के नागपुर में बड़े उद्योगपति संभ्रांत परिवार की बहू ने नशे की हालत में अपनी कार से आधी रात में दो युवा इंजीनियरों को मौत के घाट उतार दिया, अब फिर नागपुर में रात में इंजीनियरिंग के छात्र ने शराब के नशे में गाड़ी चलाते हुए फुटपाथ पर सो रहे 9 लोगों को कुचल दिया। आजकल के अभिभावक ही अपने जिम्मेदारियों को समझ नही रहे है, रोज नशे से संबंधित अपराधों की ख़बरें पढ़ने-सुनने को मिलती है, कोई युवा नशे के लिए अपने अभिभावकों को मौत के घाट उतार देते है, तो कोई बच्चे नशे की हालत में क्राइम कर रहे है। अभिभावकों का लगातार व्यस्त रहना, बच्चों की दिनचर्या पर ध्यान न देना, बच्चों पर नियंत्रण न होना, बच्चों की गलतियों को हमेशा नजरअंदाज करना, केवल महंगे संसाधन या भौतिक सुविधा देना, अति लाड प्यार कर बच्चों की हर जिद पूरी करना ही अभिभावकों ने अपनी जिम्मेदारी समझी है, अपितु बच्चों को समय देना, उनके कार्यकलापों में सहभागी होना, बच्चों का दोस्त बनकर जीना अहम जिम्मेदारी है।

हर साल 26 जून को नशे के प्रति जागरुकता और मादक पदार्थो की तस्करी के रोकथाम के लिए नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस विश्वभर में मनाया जाता है। इस वर्ष की थीम सबूत स्पष्ट हैं: रोकथाम में निवेश करें यह है। आज विश्व में सबसे बड़ा युवाओं का देश भारत है, युवाओं को संभालकर योग्य दिशा में अग्रसर करना ही देश का विकास है। मीडिया के माध्यम से हमेशा यह पता चलता है कि नशीली दवाओं की तस्करी के लिए किशोरों का उपयोग किया जा रहा है, ऐसे गलत काम करने के लिए पैसे का लालच दिया जा रहा है, ताकि स्कूल और कॉलेज जाने वाले बच्चे भी नशीली दवाओं के जहर के संपर्क में आसानी से आ जाएं। जिन होनहार युवाओं के भरोसे देश का उज्वल भविष्य टिका है वो नशे में अपना वर्तमान और सुनहरा भविष्य अंधकारमय बना रहे है और आनेवाली पीढ़ी के रूप में देश को खोखला, बीमार, कमजोर, अविकसित, समस्याग्रस्त, आपराधिक प्रवृत्ति का युवा सौंप रहे हैं।

ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज स्टडी के अनुसार, 2017 में दुनिया भर में अवैध दवाओं से लगभग 7.5 लाख लोगों की मौत होने का अनुमान है। एम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, इनहेलर के नशे में करीब 18 लाख वयस्क और 4.6 लाख बच्चे बुरी लत की श्रेणी में आते हैं। पंजाब में कुल कैदियों में से कम से कम 30 प्रतिशत अवैध मादक पदार्थ रखने के आरोप में जेल में सजा काट रहे हैं। सरकारी रिपोर्ट बताती है कि, 2018 में भारत में 2.3 करोड़ ओपिओइड नशेड़ी थे, जो 14 वर्षों में पांच गुना वृद्धि है। एक एनजीओ सर्वेक्षण बताता है कि भारत में उपचार की आवश्यकता वाले 63.6 प्रतिशत मरीज 15 वर्ष से कम उम्र के हैं। ड्रग्स और अपराध पर संयुक्त राष्ट्र कार्यालय रिपोर्ट अनुसार, भारत में नशीली दवाओं और मादक द्रव्यों के सेवन में शामिल लगभग 13 प्रतिशत लोग 20 वर्ष से कम उम्र के हैं। भारत देश में हर साल 20 मिलियन बच्चे और हर दिन लगभग 55,000 बच्चे तंबाकू के आदी होते है और अमेरिका में हर दिन धूम्रपान करने वाले 3000 नए बच्चों के मुकाबले यह संख्या भयावह है।

वश्व स्तर के साथ भारत देश में नशे का कारोबार बहुत तेजी से बढ़ रहा है, नशा इंसान को जिन्दा लाश बना कर रख देता है और बुराइयों, अपराध, नकारात्मक विचारों को बढ़ावा देता है। नशे के कारण आर्थिक, सामाजिक, पारिवारिक और मुख्य रूप से शारीरिक, मानसिक क्षति होती है। आज के अभिभावकों को अपने बच्चों के प्रति अधिक सजग रहने की आवश्यकता है, अपने बच्चे अपनी जिम्मेदारी है, अभिभावकों का व्यस्तता का बहाना बच्चों के भविष्य के लिए घातक सिद्ध हो सकता है।

घरेलू अल्कोहल पेय उद्योग में 8-10 प्रतिशत की वृद्धि की संभावना है। इंटरनेशनल नारकोटिक्स कंट्रोल बोर्ड 2023 की वार्षिक रिपोर्ट अनुसार, दुनिया के 397 अफीम उपयोगकर्ता दक्षिण एशिया में रहते हैं। वैश्विक स्तर पर हेरोइन बाजार 430-450 टन के वार्षिक प्रवाह को दर्शाते हैं। भारतीय सेना द्वारा 2018 में किए गए एक अध्ययन के अनुसार, जम्मू कश्मीर में लगभग 407 युवा किसी न किसी रूप में नशे की लत से पीड़ित हैं, जो 2008 में 57 से कम था। भारत में पिछले एक दशक में नशीली दवाओं के दुरुपयोग और शराब की लत के कारण आत्महत्या करने वालों की संख्या दोगुनी से अधिक हो गई है। विश्व ड्रग रिपोर्ट 2023 अनुसार, वैश्विक स्तर पर, 2021 में 296 मिलियन से अधिक लोगों ने नशीली दवाओं का उपयोग किया, जो पिछले दशक की तुलना में 23 प्रतिशत की वृद्धि है। इस बीच, नशीली दवाओं के उपयोग संबंधी विकारों से पीड़ित लोगों की संख्या बढ़कर 39.5 मिलियन हो गई है, जो 10 वर्षों में 45 प्रतिशत की वृद्धि है। अफ्रीका में, उपचाराधीन 70 प्रतिशत लोग 35 वर्ष से कम आयु के हैं।

विश्व स्तर के साथ भारत देश में नशे का कारोबार बहुत तेजी से बढ़ रहा है, नशा इंसान को जिन्दा लाश बना कर रख देता है और बुराइयों, अपराध, नकारात्मक विचारों को बढ़ावा देता है। नशे के कारण आर्थिक, सामाजिक, पारिवारिक और मुख्य रूप से शारीरिक, मानसिक क्षति होती है। आज के अभिभावकों को अपने बच्चों के प्रति अधिक सजग रहने की आवश्यकता है, अपने बच्चे अपनी जिम्मेदारी है, अभिभावकों का व्यस्तता का बहाना बच्चों के भविष्य के लिए घातक सिद्ध हो सकता है। बच्चों पर आंख मूंदकर भरोसा न करें, बच्चों को समय देना सीखें, बच्चों के सामने बड़ो का व्यवहार आदर्शात्मक होना चाहिए, बच्चे अपनी दिनचर्या कैसे बिताते है, किससे मिलते हैं, उनकी मित्रमंडली कैसी है, बच्चे बाहर खर्चा कहां करते है, यह सब अभिभावकों को पता होना चाहिए। आधुनिकता विचारों में होनी चाहिए, दिखावे में नहीं, इसलिए बच्चों को दुनियादारी, व्यवहार ज्ञान, अच्छे-बुरे की समझ अभिभावकों द्वारा मिलनी ही चाहिए। आज के समय में संस्कार, सत्य, नीतिमत्ता तेजी से विलुप्त हो रहे है, जो बच्चों के साथ अभिभावकों के लिए भी ये बेहद आवश्यक है। नशा छोड़े, जागरूक रहें, बच्चों को देश का उज्वल भविष्य बनने के लिए उन्हें बेहतर और पोषक वातावरण दें। अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय, राज्य और स्थानीय स्तर पर संगठन, सरकार, स्वयंसेवी संस्थान नशामुक्ति और मादक पदार्थों के तस्करी के विरुद्ध कार्य करते है। भारत सरकार के नशा मुक्त भारत अभियान के तहत राष्ट्रीय टोल फ्री नशा मुक्ति हेल्पलाइन 14446 पर संपर्क कर सकते है।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

कांग्रेस का नेतृत्व एवं चेहरा बदला लेकिन चरित्र लोकतंत्र और संविधान का गला घोंटने वाला हीः आदित्यनाथ

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कांग्रेस पार्टी पर देश में आपातकाल लागू कर लोकतंत्र और संविधान का गला घोंटने का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस का नेतृत्व और चेहरा बदला होगा, लेकिन चरित्र और हाव-भाव वही है। यहां अपने सरकारी आवास पर आपातकाल की 50वीं बरसी पर योगी ने पत्रकारों से कहा, ''एक काला अध्याय आज से ठीक 50 वर्ष पूर्व आज के दिन ही देर रात्रि में हुआ था, जब कांग्रेस की तत्कालीन सरकार ने संविधान का गला घोंटते हुए लोकतंत्र को पूरी तरह समाप्त करने की साजिश रची थी।'' उन्होंने कहा कि 25 जून 1975 की रात के अंधेरे में इंदिरा गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार ने भारत के लोकतंत्र को नष्ट करने का प्रयास किया था।

योगी ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी, मोरारजी देसाई, जयप्रकाश नारायण, लालकृष्ण आडवाणी समेत उस समय के सभी विपक्षी नेताओं को जेल में बंदकर लोकतंत्र का गला घोंटने का पूरा प्रयास किया गया था।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''आज जब 50 वर्ष के उपरांत हम आपातकाल की उन यादों को स्मरण करते हैं तो स्वाभाविक रूप से कांग्रेस में चेहरे बदले होंगे, लेकिन उनका चरित्र और हाव भाव वही है, जो 1975 में एक बर्बर चेहरा देखने को मिला था।''

योगी ने कहा , '' कैसे कांग्रेस ने संविधान की मूल आत्मा में संशोधन कर उसे नष्ट करने का प्रयास किया था, कैसे उसने देश के नागरिकों के मौलिक अधिकारों को प्रतिबंधित कर दिया था, कैसे न्यायालय के अधिकारों को उसने बंधक बना लिया था और आज भी कांग्रेस पार्टी में भले ही नेतृत्व और चेहरा बदला हो लेकिन चरित्र तो उसका वही है।'' कांग्रेस के साथ खड़े आपातकाल विरोधी राजनीतिक दलों को निशाना बनाते हुए उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को बहाल करने के लिए जिन लोगों ने जेल की यातना सही और अपना सर्वस्व न्यौछावर किया था, आश्चर्य है कि उनकी वर्तमान पीढ़ी उसी कांग्रेस की गोद में बैठकर देश को फिर से तानाशाही, लोकतंत्र एवं संविधान विरोधी तंग दायरे की ओर धकेलने का कुत्सित प्रयास कर रही है। योगी ने कहा कि जिन दलों का उदय ही लोकतंत्र को बचाने के लिए हुआ था, आज वे कांग्रेस की गोदी में बैठकर जिस तरह का आचरण कर रहे हैं, उसके लिए उन्हें जनता किसी स्थिति में स्वीकार नहीं करेगी। उन्होंने तंज किया, ''ये लोग लोकतंत्र की दुहाई देते हैं, लेकिन भारत के बाहर जाकर भारत के लोकतंत्र को कटघरे में खड़ा करते हैं। वे भारत की चुनाव प्रणाली पर प्रश्न चिन्ह खडा करते हैं।

लोकसभा में 1976 के बाद पहली बार होगा अध्यक्ष का चुनाव

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा बुधवार को अध्यक्ष पद के लिए चुनाव का गवाह बनेगी जो 1976 के बाद इस तरह का पहला मौका होगा। कांग्रेस सदस्य कोडिकुनिल सुरेश को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष का उम्मीदवार बनाया गया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि रक्षामंत्री राजनाथ सिंह लोकसभा उपाध्यक्ष का पद विपक्ष को दिए जाने के संदर्भ में आश्वासन देने में विफल रहे। स्वतंत्र भारत में लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए केवल तीन बार 1952, 1967 और 1976 में चुनाव हुए।

वर्ष 1952 में कांग्रेस सदस्य जी वी मावलंकर को लोकसभा अध्यक्ष के रूप में चुना गया था। मावलंकर को प्रतिद्वंद्वी शांताराम मोरे के खिलाफ 394 वोट मिले, जबकि मोरे सिर्फ 55 वोट हासिल करने में सफल रहे।

वर्ष 1967 में टी. विश्वनाथम ने कांग्रेस उम्मीदवार नीलम संजीव रेड्डी के खिलाफ लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव लड़ा। रेड्डी को विश्वनाथम के 207 के मुकाबले 278 वोट मिले और वह अध्यक्ष चुने गए।

इसके बाद पांचवीं लोकसभा में 1975 में तत्कालीन प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी द्वारा आपातकाल लगाए जाने के बाद पांचवें सत्र की अवधि एक वर्ष के लिए बढ़ा दी गई थी। तत्कालीन अध्यक्ष जीएस ढिल्लों ने एक दिसंबर, 1975 को इस्तीफा दे दिया था।

कांग्रेस नेता बलिराम भगत को पांच जनवरी, 1976 को लोकसभा अध्यक्ष चुना गया था। इंदिरा गांधी ने भगत को लोकसभा अध्यक्ष के रूप में चुनने के लिए प्रस्ताव पेश किया था, जबकि कांग्रेस (ओ) के प्रसन्नभाई मेहता ने जनसंघ नेता जगन्नाथराव जोशी को चुनने के लिए प्रस्ताव पेश किया था। भगत को जोशी के 58 के मुकाबले 344 वोट मिले। वर्ष 1998 में तत्कालीन कांग्रेस नेता शरद पवार ने पी ए संगमा को अध्यक्ष चुनने के लिए एक प्रस्ताव पेश किया था, जिसे अस्वीकार कर दिया गया था। पवार के प्रस्ताव के अस्वीकार किए जाने बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने तेलुगू देशम पार्टी के सदस्य जी एम सी बालयोगी को लोकसभा अध्यक्ष के रूप में चुनने के लिए एक प्रस्ताव पेश किया। वाजपेई द्वारा रखा गया प्रस्ताव स्वीकृत हो गया।

उद्घाटन

नई दिल्ली में मंगलवार को केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर, द्वारका में भारत अंतर्राष्ट्रीय परिधान मेले के 71वें संस्करण का उद्घाटन किया।

इंदिरा गांधी के 'थोपे' आपातकाल के लिए खेद जताएं राहुल गांधी : वर्मा

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता विक्रम वर्मा ने मंगलवार को यहां कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने वर्ष 1975 में निजी स्वार्थ के लिए देश पर आपातकाल 'थोपा' था और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को अपनी दादी के इस कृत्य के लिए सार्वजनिक रूप से खेद जताना चाहिए। वर्मा ने संवाददाताओं से कहा, तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अपने मंत्रिमंडल की सहमति के बगैर निजी स्वार्थ के लिए देश पर आपातकाल थोपा था और लोकतंत्र की हत्या कर दी थी। पूर्व केंद्रीय मंत्री वर्मा ने कहा कि यह बात आश्चर्यजनक और हास्यास्पद है कि इंदिरा गांधी के पोते राहुल गांधी इन दिनों संविधान की प्रति के साथ संसद में दिखाए देते हैं। उन्होंने कहा, सबसे पहले तो राहुल को खेद प्रकट करना चाहिए कि उनकी दादी ने देश पर आपातकाल लगाकर गलत काम किया था। वर्मा ने राहुल को अपरिपक्व बताते हुए दावा किया कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष को संविधान के अनुच्छेदों के बारे में कोई ज्ञान नहीं है। देश में जातिगत जनगणना को लेकर राहुल की पुरानी मांग पर उन्होंने कहा, यह जरूरी नहीं है कि जातिगत जनगणना कराई जाए। अलग-अलग जातियों की आर्थिक स्थिति पता लगाने के लिए आंतरिक सर्वेक्षण कराए जा सकते हैं।

अजय देवगन के घर शादी का कार्ड लेकर पहुंचे अनंत अंबानी

मुंबई/एजेन्सी

मुकेश अंबानी और नीता अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी जल्द ही राधिका मर्चेंट के साथ शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। दोनों की शादी 12 जुलाई को होने वाली है, जिसको लेकर अंबानी परिवार शादी के तैयारियों में लगा हुआ है।

जहां बीते दिन नीता अंबानी ने सबसे पहले काशी पहुंचकर बाबा विश्वनाथ के चरणों में अपने बेटे अनंत अंबानी और होने वाली बहु राधिका मर्चेंट की शादी का निमंत्रण रखा। तो वहीं अब अनंत अंबानी भी अपने खास दोस्तों और मेहमानों को कार्ड बांटने में जुट गए हैं।

हाल ही में अनंत अंबानी अपनी शादी का कार्ड देने के लिए बॉलीवुड एक्टर अजय देवगन के घर गए थे। अनंत के अजय देवगन के घर शिवशक्ति से बाहर आते हुए एक वीडियो भी सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है।

इस वीडियो में अनंत हमेशा की तरह टाइट सिक्योरिटी के बीच अजय के घर से बाहर निकलते हुए नजर आ रहे हैं। अनंत का ये वीडियो आते ही सोशल मीडिया पर छा गया है। बता दें कि अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट 12 जुलाई को शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। इनकी शादी का कार्यक्रम तीन दिनों तक जियो वर्ल्ड कनवेंशन सेंटर में होगी। जिसकी शुरूआत 12 जुलाई को शुभ विवाह से होगी। इसके बाद 13 जुलाई को होने वाले आशीर्वाद समारोह और 14 जुलाई को ग्रैंड रिसेप्शन होगा।

उसी के साथ ड्रेस कोड की बात करें तो इस शानदार रॉयल शादी के लिए 'इंडियन फॉर्मल' ड्रेस कोड तय किया गया है, तो 14 जुलाई को मंगल उत्सव यानी रिसेप्शन के दिन लिए ड्रेस कोड 'इंडियन चिक' रखा गया है। वहीं शादी से पहले हाल ही में अनंत-राधिका के लिए क्रूज पर एक शानदार पार्टी का आयोजन किया गया था, जिसकी तस्वीरें और वीडियो अब तक सामने आ रही हैं।

कल्कि 2898 में पौराणिक कथाओं के साथ भविष्य का अनूठा मिश्रण : अमिताभ

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन का कहना है कि उनकी आने वाली फिल्म कल्कि 2898 एडी के जरिये भविष्यवाद के साथ पौराणिक कथाओं का अनूठा मिश्रण किया गया है,जो दर्शकों को बेहद पसंद आयेगा। 'कल्कि 2898' एडी इस साल की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक है।नाग अश्विन द्वारा निर्देशित सायंस फिक्शन महाकाव्य फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' में अमिताभ बच्चन, कमल हासन, प्रभास, दीपिका पादुकोण और दिशा पटानी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।कल्कि 2898 एडी का प्रशंसक बेसब्री से इसकी रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। रिलीज़ ट्रेलर के बाद, इस उत्साह को 'द कल्कि क्रॉनिकल्स' द्वारा और भी बढ़ा दिया गया, जो कि स्टार कलाकारों के साथ एक साक्षात्कार श्रृंखला है जो फिल्म के निर्माण के बारे में जानकारी देती है। साक्षात्कार में अमिताभ,कमल हासन, प्रभास ,दीपिका पादुकोण निर्माता स्वप्ना दत्त और प्रियंका दत्त मौजूद थी।

कल्कि 2898 एडी पौराणिक विषयों पर आधारित है, जिसमें अश्वत्थामा और भैरव जैसे पात्र हैं, जो प्राचीन भारतीय महाकाव्यों में निहित हैं। भविष्य की कथा के साथ पौराणिक पात्रों का यह मिश्रण कहानी में एक अनोखी गहराई और समृद्धि जोड़ता है।'द कल्कि क्रॉनिकल्स' के पहले एपिसोड में अमिताभ बच्चन ने फिल्म पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा, हम पौराणिक कथाओं को भविष्य की किसी चीज़ के साथ मिलाने में सक्षम हैं, कल्कि 2898 एडी बहुत अनोखा और सफल प्रयोग रहा।उन्होंने दर्शकों को आश्वासन दिया, फिल्म के अंत तक, आप वास्तव में उस पर विश्वास करेंगे जो आपने देखा था।फिल्म गुणवत्ता से परिपूर्ण है और इसके निर्माण में काफी सावधानी बरती गयी है।

अमिताभ ने कहा कि जब निर्देशक नाग अश्विन फिल्म के बारे में बात करने के लिए उनके पास आए थे तो एक फोटो साथ में लाए थे। तस्वीर यह दिखाने के लिए थी कि उनका और प्रभास का किरदार कैसे दिखेगा। उस तस्वीर में अमिताभ बच्चन का किरदार प्रभास के किरदार को धक्का दे रहा था। इस किस्से को सुनाने के बाद बिग बी ने कहा कि मैं हाथ जोड़कर माफी मांगता हूं और प्रभास के फैंस कृपया मुझे माफ कर दें। वैजयंती मूवीज द्वारा निर्मित 'कल्कि 2898 एडी' हिंदी के साथ-साथ तमिल, तेलुगु, मलयाली, कन्नड़ और अंग्रेजी भाषा में 27 जून को रिलीज होगी।

आपातकाल की 49वीं वर्षगांठ पर कंगना ने 'इमरजेंसी' का पोस्टर जारी किया

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री सह नेत्री एवं मंडी से सांसद कंगना रनौत ने मंगलवार को आगामी छह सितम्बर को रिलीज होने वाली फिल्म 'इमरजेंसी' के पोस्टर जारी किया। कंगना ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म का नया पोस्टर जारी किया। उन्होंने पोस्टर के साथ कैप्शन भी लिखा , स्वतंत्र भारत के सबसे काले अध्याय के 50वें वर्ष की शुरुआत, 06 सितंबर-2024 को सिनेमाघरों में कंगना रनौत की 'इमरजेंसी' की घोषणा। भारतीय लोकतंत्र के इतिहास के सबसे विवादास्पद प्रकरण की विस्फोटक गाथा, 06 सितम्बर को 'इमरजेंसी' दुनिया भर के सिनेमाघरों में।

दिलचस्प तथ्य यह भी है कि नवनिर्वाचित भाजपा सांसद ने अपनी फिल्म के रिलीज की घोषणा ऐसे समय की है , जब 1975 में आपातकाल लागू होने की 49वीं वर्षगांठ के मौके को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी इंडिया समूह के खिलाफ हथियार के रूप में पेश किया है। फिल्म की रिलीज की तारीख पहले भी कई मौकों पर टाली जा चुकी है।

मई में कंगना ने लोकसभा चुनाव अभियान के कारण अपनी फिल्म की रिलीज को टाला था।

'इमरजेंसी' में कंगना ने भारत की पहली महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का किरदार निभाया है, जिन्हें और उनकी कांग्रेस पार्टी को देश भर में स्वतंत्रता और अधिकारों का दमन करने वाले आपातकाल को लागू करने के लिए दोषी ठहराया गया है। यह फिल्म देश में आपातकाल के दौरान के उन महत्वपूर्ण और उथल-पुथल भरे घटनाओं पर केंद्रित है, जो व्यापक राजनीतिक और सामाजिक उतार-चढ़ाव से भरा हुआ था।

'मटका किंग' में नायिका के रूप में नजर आएंगी कृतिका कामरा

मुंबई/एजेन्सी

टेलीविज़न से लेकर फ़िल्मों और वेब-सीरीज़ तक, कृतिका कामरा लगातार काम कर रही हैं। गलियारों में बहती हवाओं का कहना है कि कृतिका कामरा को विजव वर्मा अभिनीत क्राइम ड्रामा सीरीज मटका किंग में उनके अपोजिट नायिका के तौर पर शामिल कर लिया गया है। कानों में फुसफुसाते हुए हवाओं ने बताया कि सीरीज़ बंबई मेरी जान में एक महिला गैंगस्टर की उनकी दमदार भूमिका ने उन्हें यह सीरीज दिलाने में अहम भूमिका निभाई। अपनी भूमिका के बारे में बात करते हुए, कृतिका कामरा ने हवाओं से कहा कि इस नई सीरीज़ में वे मुख्य महिला किरदार निभाएंगी, लेकिन उनके किरदार के बारे में और कोई जानकारी उन्होंने नहीं दी है। शो की शूटिंग में शामिल होने और अपनी खुशी जाहिर करने के बारे में बात करते हुए, कृतिका कामरा ने कहा, मैं 'मटका किंग' का हिस्सा बनकर और ऐसी अविश्वसनीय रूप से प्रतिभाशाली टीम के साथ काम करके रोमांचित हूं। विजय वर्मा के साथ मिलकर काम करना, जिनके काम की मैं बहुत प्रशंसा करती हूं, एक रोमांचक अवसर है। नागराज मंजुले की दृष्टि और कहानी कहने की कला बेजोड़ है, और मैं उनके निर्देशन में अपने किरदार को जीवंत करने के लिए उत्सुक हूं। 'मटका किंग' की कहानी न केवल दिलचस्प है, बल्कि सांस्कृतिक इतिहास से भी समृद्ध है। भारत के अतीत के ऐसे महत्वपूर्ण पहलू से प्रेरणा लेने वाली परियोजना का हिस्सा बनना सम्मान की बात है। मैं दर्शकों को यह दिखाने के लिए इंतजार नहीं कर सकती कि हम क्या काम कर रहे हैं और 'मटका किंग' की दुनिया का अनुभव कैसे लें। मटका किंग का निर्देशन प्रतिष्ठित फिल्म निर्देशक नागराज मंजुले ने किया है, जो अपनी समीक्षकों द्वारा प्रशंसित फिल्मों सैराट, फैंड्री और झुंड के लिए जाने जाते हैं। कहा जा रहा है कि नागराज मंजुले निर्देशित यह सीरीज उनकी ख्याति को और बढ़ाने का काम करेगी, साथ ही यह शो क्राइम-ड्रामा शैली में एक अतिरिक्त आकर्षण पैदा करने में सफल होगा। कृतिका और विजय के सहयोग से, मंजुले की निर्देशन विशेषज्ञता के साथ, एक ऐसी श्रृंखला लाने की उम्मीद है जो दर्शकों को अपनी गहन कथा और गतिशील प्रदर्शनों से मोहित कर देगी। यह 1960 के दशक से 1990 के दशक तक भारत में फैले वास्तविक जीवन के मटका जुए की घटना पर आधारित है। यह श्रृंखला मटका जुए की मनोरंजक और अक्सर खतरनाक दुनिया को जीवंत करने का वादा करती है। शो का प्रीमियर अमेज़न प्राइम वीडियो पर होगा।

माता-पिता की याद में अक्षय कुमार की अनोखी पहल, बीएमसी के साथ मिलकर लगाए 200 पेड़

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने मुंबई में अपने दिवंगत माता-पिता हरिओम भाटिया और अरुणा भाटिया की याद में पौधारोपण अभियान चलाया और उन्हें श्रद्धांजलि दी। अक्षय कुमार ने कहा, 'हमें धरती मां से जो मिला है, उसके लिए पेड़ लगाना हमारी तरफ से बहुत छोटा सा रिटर्न गिफ्ट जैसा है। माता-पिता के सम्मान में ऐसा करना मेरे लिए इसे और भी खास बनाता है। अक्षय ने खेरवाड़ी में वेस्टर्न एक्सप्रेस-वे पर वृक्षारोपण अभियान का नेतृत्व किया। अक्षय ने बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) कमिश्नर भूषण गगरानी के साथ 200 बहावा के पेड़ लगाए। पौधारोपण के इस अभियान को अनिल कपूर, शत्रुघ्न सिन्हा, अभिषेक बच्चन, अनुपम खेर, बप्पी लहरी, अजय देवगन, सोनू निगम, संग्राम सिंह, रणवीर शौरी, रोहित शेट्टी, हेमा मालिनी, सोनाक्षी सिन्हा और आयशा जुल्का जैसे प्रमुख आइकन से समर्थन मिला है।

अक्षय कुमार जल्द ही फिल्म 'सरफिरा' में दिखाई देंगे। इस फिल्म में वह वीर म्हात्रे का किरदार निभा रहे हैं, जिसका मकसद कम आय वाले लोगों के लिए किफायती एयरलाइन बनाना है। फिल्म एयरलाइन सिम्पलीफ्लाई डेक्कन के फाउंडर कैप्टन जी.आर. गोपीनाथ के जीवन से प्रेरित हैं।अक्षय के अलावा फिल्म में परेश रावल, राधिका मदान और सीमा बिस्वास अहम रोल में हैं. केप ऑफ गुड फिल्म्स की अरुणा भाटिया, सूर्या और ज्योतिका (2डी एंटरटेनमेंट) और विक्रम मल्होत्रा (अबुंदंतिया एंटरटेनमेंट) द्वारा निर्मित 'सरफिरा' 12 जुलाई को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी।

'गदर 3' में काम करना चाहती है अमीषा पटेल

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की जानीमानी अभिनेत्री अमीषा पटेल गदर 3 में काम करना चाहती है। अनिल शर्मा के निर्देशन में बनी ब्लॉकबस्टर फिल्म गदर : एक प्रेम कथा वर्ष 2001 में प्रदर्शित हुयी थी। इस फिल्म में सन्नी देओल और अमीषा पटेल ने मुख्य भूमिका निभायी। पिछले वर्ष गदर : एक प्रेम कथा की सीक्वल गदर 2 प्रदर्शित हुयी। अब अनिल शर्मा , गदर 3 बना रहे हैं। अमीषा पटेल ने हाल ही एक आस्क मी एनीथिंग सेशन ट्विटर यानी एक्स पर किया। अमीषा ने यहां अपनी आने वाली फिल्मों के बारे में बातें की। अमीषा पटेल ने कहा कि वह गदर-3 में काम करना चाहती हैं। उन्होंने बताया कि निर्देशक अनिल शर्मा उनके लिए फैमिली के जैसे ही हैं। उन्होंने कहा,हमारे रचनात्मक मतभेद फिल्म की बेहतरी के लिए हैं, लेकिन एक-दूसरे के प्रति हमारा सम्मान और लगाव इन सबसे कहीं अधिक गहरा है, इसलिए हां, यदि हम एक ही पृष्ठ पर हैं तो निश्चित रूप से 'गदर 3' में खुशी से काम करेंगे। अमीषा पटेल ने अपनी हिट फिल्म हमराज के बारे में कहा कि यह अभी पाइपलाइन में हैं। अब्बास मस्तान इसकी स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं।

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

हमें अपनी कमजोरियों से लड़ना, आत्मा में लगे हुए कर्मों से लड़ना अत्यंत कठिन है। हमने मोक्ष के प्रेमियों को अपने कर्मों से लड़ते हुए देखा है। सोचो, कैसा उन महापुरूषों का पुरुषार्थ रहा होगा। बाहर वालों से लड़ने के लिए हमारे पास ताकत बहुत है लेकिन हमारे अंदर की कमजोरियों से निपटने में हम कमजोर है। चूंकि कमजोरियों से लड़ने के साधन बहुत कम है। इसका जुगाड़ स्वयं को करना पड़ता है। उन्होंने कहा कभी-कभी बच्चों को समझाना आसान है लेकिन यदि बड़े लोग बच्चों जैसी हरकत करेंगे तो उन्हें कौन समझा सकता है।

दुख से नहीं दुर्बुद्धि से बचना होगा : स्वर्णप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां साहुकारपेट के स्वाध्याय भवन में साध्वीश्री स्वर्णप्रभाश्रीजी ने मंगलवार को अपने प्रवचन में कहा कि धन-वैभव सुविधाओं के साधन दे सकते हैं,पर सुरक्षा नही दे सकते हैं। धन स्वयं ही असुरक्षित हैं, धन को खुद लुटे जाने का डर हैं वो सम्पति के मालिक को क्या सुरक्षा दे सकेगा। अगर कोई समझे कि सुख सामग्री मे हैं,संबंधों में हैं,तो यह उसकी भ्रामक धारणा हैं। संसारी व्यक्ति दुःख को दुर्भाग्य समझते हैं, वही साधु दुःख को सौभाग्य समझते हैं, कि दुःख स्वयं ही एक अवसर देते हैं, ऊर्जा देते हैं, पुनः उठने की ताकत का अवसर देते हैं। संसारी दुःख का अर्थ वस्तु का अभाव समझते हैं पर वास्तव में दुःख कल्यानमित्र रुप हैं। दुःख से घबराए नहीं। दुःख से इतना नुकसान नहीं होता, जितना दुर्बुद्धि से होता हैं। दुःख से नहीं, दुर्बुद्धि से बचना चाहिए। दुर्बुद्धि अज्ञानता रुप हैं व अहंकार उत्पन्न करती हैं,जो कि पतन का कारण हैं। सम्यक बुद्धि सौभाग्य हैं और दुर्बुद्धि दुर्भाग्य हैं। दुःख के समय ही अपने पराये की पहचान होती हैं व दुःख के समय ही प्रभु को याद करते हैं। अतः दुःख को दुर्भाग्य नहीं समझे। दुर्बुद्धि आध्यात्मिकता व जीवन के विकास में बाधक रुप हैं। दुर्बुद्धि भाव नहीं रखे।

जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ के कार्याध्यक्ष आर नरेन्द्र कांकरिया ने प्रवचन सभा का संचालन करते हुए महासती मण्डल के प्रति कृतज्ञता भाव प्रकट करते हुए बताया कि इस वर्ष महासती स्वर्णप्रभा का चातुर्मास कांकरिया गेस्ट हाउस,किलपाक मे होगा। कार्याध्यक्ष ने श्रावक संघ,तमिलनाडु की ओर से रत्न स्वर्ण महोत्सव वर्ष मे एकान्तर उपवास की तपस्या करने वालो की संघ की ओर से सुखसाता पूछते हुए साधुवाद ज्ञापित किया। प्रवचनसभा में नार्थ चेन्नई से रायपुरम, कुररुक्पेट आदि अनेक क्षेत्रों से श्रीसंघों ने महासती मण्डल की शेखे काल पधारने की विनती की। महासती ने सभी संघों की विनतियों को ध्यान में रखते हुए, जैसे अवसर होगा, लाभ देने की भावना बताई। महासती ने उपवास, एकासन, नीवी आदि तपस्याओं के प्रत्याख्यान कराते हुए मांगलिक सुनाई।

जेडईटीटीसी में सुरक्षा संगोष्ठी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। क्षेत्रीय विद्युत ट्रैक्शन प्रशिक्षण केंद्र (जेडईटीटीसी) अवाड़ी में 24 जून को एक सुरक्षा सेमिनार (सुरक्षा संवाद) आयोजित किया गया। इस सेमिनार में लोको पायलट, स्टेशन मास्टर और ट्रेन मैनेजर के 150 से अधिक सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

इस मौके पर दक्षिण रेलवे के अपर महाप्रबंधक कौशल किशोर, प्रमुख मुख्य संरक्षा अधिकारी श्रीगणेश, दक्षिण रेलवे के प्रमुख विभागाध्यक्षों, चेन्नई मंडल रेल प्रबंधक बी. विश्वनाथ आर्य, अपर मंडल रेल प्रबंधक तेज प्रताप सिंह सहित अनेक अधिकारियों ने सेमिनार में भाग लिया और सभा को संबोधित किया। यह सेमिनार लोको पायलटों को विभिन्न सुरक्षा नियमों और प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी देने के लिए आयोजित किया गया था। इसके बाद एक संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया जिसमें विभिन्न रेल दुर्घटनाओं के केस स्टडी पर विचार-विमर्श किया गया। सिग्नल फेल होने के समय लोको पायलटों/स्टेशन मास्टरों को जारी किए जाने वाले विभिन्न प्राधिकरणों पर विस्तार से चर्चा की गई क्योंकि परिचालन की सुरक्षा में यही सबसे महत्वपूर्ण है।

इस संवादात्मक सत्र में लोको पायलटों और स्टेशन मास्टरों ने अपने कार्य अनुभव साझा किए और अपनी कार्य स्थितियों में सुधार के लिए सुझाव दिए। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि उनके सुझावों पर विचार किया जाएगा और उनकी शिकायतों के समाधान के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे। सुरक्षा संवाद और अधिकारियों तथा सुरक्षा कर्मचारियों के बीच विचारों का आदान-प्रदान कर्मचारियों के बीच सकारात्मक मानसिकता पैदा करने में उपयोगी साबित हुआ, जिससे उन्हें बेहतर सेवा प्रदान करने में मदद मिली, जिससे सुचारू संचालन सुनिश्चित हुआ और दुर्घटनाओं के जोखिम को कम किया जा सका।

सात प्रदेशों के नौ प्राध्यापक 14 राज्यों के विद्यार्थियों को सीखा रहे प्राकृत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तिरुवण्णामलै जिले में तिरुमलै स्थित अरिहंतगिरि के सुरम्य प्राकृतिक वातावरण में इक्कीस दिवसीय राष्ट्रीय प्राकृत शिक्षण कार्यशाला गतिमान हैं। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली एवं आचार्य अकलंक शैक्षणिक न्यास, अरिहंतगिरि के संयुक्त तत्वावधान में चल रही इस कार्यशाला में सात प्रदेशों के नौ प्राध्यापक चौदह राज्यों के विद्यार्थियों को प्राकृत भाषा, व्याकरण और साहित्य पढ़ा रहे हैं। हर आयु वर्ग के छात्र-छात्राएं प्राकृत सीख रहे हैं।

प्रो. जगतराम भट्टाचार्य, प्रो. दीनानाथ शर्मा, प्रो. कमलेश कुमार जैन, डॉ. सतेंद्र कुमार जैन आदि प्राध्यापक विभिन्न ग्रंथों के माध्यम से प्राकृत पढ़ा रहे हैं। इस बीच विश्वविद्यालय और अरिहंतगिरि पुस्तकालय के लिए डॉ. दिलीप धींग द्वारा लिखित व संपादित एवं अभुषा फाउंडेशन से प्रकाशित ग्रंथ भेंट किए गए। पुराविद डॉ. धींग ने बताया कि रविवार को प्राध्यापकों और विद्यार्थियों को पुरातात्विक महत्व के तिरुनादरकुन्नु, मेल सितामुर, मेल मलयनूर आदि प्राचीन जैन तीर्थस्थलों के शिल्प और शिलालेखों के इतिहास से अवगत कराया गया।

चेयरमैन भट्टारक धवलकीर्ति स्वामी ने आशीर्वाद और प्राकृत विकास अधिकारी डॉ. धर्मेन्द्र कुमार जैन ने धन्यवाद दिया। विश्वविद्यालय की पालि-प्राकृत योजना के अंतर्गत संचालित यह कार्यशाला 10 जुलाई तक चलेगी।

अभिनेत्री मनीषा कोइराला को संस्कृति कलाश्री अवार्ड सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। हाल ही में हुए विराट कद्रदान दिवस के मौके पर संस्कृति कल्चरल फाउंडेशन ने फिल्म अभिनेत्री मनीषा कोइराला को उनके सिनेमा जगत में विशेष योगदान के लिए कलाश्री अवार्ड प्रदान किया। इस वर्ष फाउंडेशन अपना रजत जयंती वर्ष मना रहा है। कार्यक्रम के संयोजक एम जी बोहरा ने बताया कि तीन घंटे तक म्यूजिक एकेडमी में खचाखच भरे हॉल में संस्कृति के ही सदस्य कलाकारों ने पेशेवर नहीं होते हुए भी पेशेवर तरीके से उम्दा गीत संगीत और नृत्य पेश किया। कोइराला ने बताया कि उन्होंने अपने जीवन में गैर पेशेवर कलाकारों द्वारा इतना शानदार प्रोग्राम पहले कभी नहीं देखा। हीरा मंडी की सफलता का श्रेय उन्होंने डायरेक्टर संजय लीला भंसाली एवं पूरी टीम को दिया। संस्कृति के पूर्वाध्यक्ष नितेश चोवटिया ने बड़े ही रोचक अंदाज में कोइराला के साथ साक्षात्कार किया और कोइराला ने हर सवाल का जवाब अनोखे अंदाज में दिया। कोइराला ने आगे कहा कि अध्यक्ष विमल चोरडिया सहित सभी कलाकारों ने लाजवाब प्रस्तुति दी। कोषाध्यक्ष अनिल गोयल ने तिलक, महामंत्री राजेश सुराणा ने गुलदस्ते द्वारा मनीषा कोइराला का अभिनंदन किया। फाउंडेशन की रीटा चोरडिया ने मणि मुकुट पहनाया। कार्यक्रम का संचालन जयंती तेलीसरा, मुस्कान सुराणा और मीनल चोरड़िया ने किया।

'तुम मिले दिल खिले' नाम से प्रस्तुत कार्यक्रम मनीषा कोइराला के द्वारा अभिनीत फिल्मों के गीत एवं नित्य पर आधारित रहा जिसमें अंतिम पेशकश इलू इलू गाने के रूप में की गई। सुधीर कांकरिया दिलीप कुमार बिरेंद्र सिंघवी राजकुमार और चिराग बैद अनुपम खेर के किरदार में पेश हुए। कार्यक्रम के प्रारंभ में मंगला बोहरा, रीटा चोरड़िया, सरिता सुराणा ने दीप प्रज्वलित किए। कार्यक्रम के दौरान हॉल ऑफ फेम के अंतर्गत अभी तक कलाश्री अवार्ड से नवाजे गए सभी व्यक्तित्व का पटल पर चित्रण किया गया। कार्यक्रम के आयोजन में उत्तम सोलंकी, विनोद कोठारी, विजय गुलेछा, दीपक कोठारी, सुनील रांका, शांतिलाल लूंकड़, गंभीर चोरड़िया, कमल जैन, प्रमोद गादिया, चंद्रमोहन दमानी एवं सहमंत्री महावीर पारख का विशेष सहयोग रहा। धन्यवाद ज्ञापन सचिव राजेश सुराणा ने किया।

चीन का अंतरिक्ष यान चंद्रमा के सुदूर हिस्से से चट्टान और मिट्टी के नमूने लेकर पृथ्वी पर लौटा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

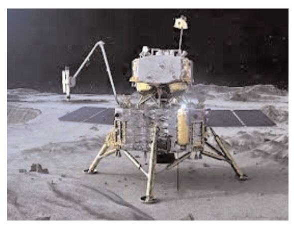

बीजिंग। चीन का चांग'ए 6 अंतरिक्ष यान पहली बार चंद्रमा के सुदूर क्षेत्र से चट्टान और मिट्टी के नमूने एकत्रित करने का ऐतिहासिक मिशन पूरा करने के बाद मंगलवार को पृथ्वी पर लौट आया। यह चीन के महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष कार्यक्रम में एक प्रमुख उपलब्धि है।

चीन राष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रशासन (सीएनएसए) ने घोषणा की कि यह अंतरिक्ष यान मंगलवार की दोपहर को उत्तरी चीन के इनर मंगोलियाई स्वायत्त क्षेत्र में बीजिंग के समयानुसार दोपहर दो बजकर सात मिनट पर उतरा और ''यह मिशन पूरी तरह सफल'' रहा।

सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' ने बताया कि चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने चांग'ए 6 मिशन की सफलता पर बधाई दी।

चीन का यह अभियान चंद्रमा के सुदूर क्षेत्र तक पहुंचने और वहां से नमूने एकत्रित करने वाला पहला अभियान है। इससे पहले भारत अगस्त 2023 में चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र के समीप उतरने वाला पहला देश बन गया था। उसका चंद्रयान-3 का लैंडर सफलतापूर्वक वहां उतरा था। पृथ्वी के इकलौते उपग्रह चंद्रमा का यह वह हिस्सा है जिसके बारे में अभी अधिक जानकारी नहीं है। चीन चंद्रमा के सुदूर हिस्से में उतरने वाला इकलौता देश है। इससे पहले उसने 2019 में ऐसा किया था। चंद्रमा का निकटतम भाग चंद्र गोलार्ध है जो हमेशा सुदूर भाग के विपरीत यानी पृथ्वी की ओर होता है। ऐसा माना जाता है कि चंद्रमा के सुदूर भाग पर पर्वत और गड्ढे हैं जो कि निकटतम भाग पर दिखायी देने वाली अपेक्षाकृत सपाट सतह से अलग है।

सीएनएसए ने बताया कि इस अंतरिक्ष यान को विमान से बीजिंग ले जाया जाएगा और वैज्ञानिकों का एक दल चंद्रमा से एकत्रित किए नमूनों का भंडारण करेगा।

उम्मीद है कि चांग'ए 6 यान चंद्रमा की दो किलोमीटर तक की धूल के कणों और सुदूर हिस्से की चट्टानों के साथ पृथ्वी पर लौटा है जिसका विश्लेषण चीनी अनुसंधानकर्ता करेंगे। चांग'ए चंद्र मिशन का नाम चीन की पौराणिक चंद्रमा देवी के नाम पर रखा गया है। एक ऑर्बिटर, एक रिटर्नर, एक लैंडर और एक आरोहक के साथ चांग'ए 6 मिशन को इस साल तीन मई को प्रक्षेपित किया गया था।

भारतीय मिस्त्री ने दुबई में 2.25 करोड़ रुपये का जैकपॉट जीता

दुबई/भाषा। भारत के 46 वर्षीय इलेक्ट्रिशियन ने सालों तक पैसों की बचत करने और समझदारी से निवेश करने के बाद दुबई में तकरीबन 2.25 करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार जीता है। 'खलीज टाइम्स' में मंगलवार को प्रकाशित एक खबर के अनुसार, आंध्र प्रदेश के नागेंद्रम बोरुगद्दा 2019 से नेशनल बॉन्ड में 100 दिरहम का निवेश कर रहे हैं। अखबार ने बोरुगद्दा के हवाले से कहा, ''मैं अपने परिवार को बेहतर जिंदगी देने और अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा मुहैया कराने के लिए संयुक्त अरब अमीरात आया था। यह जीत किसी सपने की तरह लगती है।''

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

निशुल्क दंत जांच शिविर

तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा संचालित आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर श्रीरामपुरम में गणाधिपति आचार्यश्री तुलसी के 28वें महाप्रयाण दिवस के उपलक्ष में 14 दिवसीय निःशुल्क दंत परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया जिसमें कुल 60 सदस्यों ने लाभ लिया। इसी के साथ रियायती दरों पर विभिन्न जांच की गई तथा विशेष हेल्थ पैकेज के अंतर्गत सम्पूर्ण शारीरिक जांच की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई।

रामदेव मंदिर में हुआ सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मागड़ी रोड दासरहल्ली स्थित रामदेव प्रार्थना मंदिर में संगीतमय सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत बालाजी की आरती से हुआ। मंदिर परिसर में सैकड़ो भक्तों ने भक्ति भाव से पाठ के मध्य भजनों का गायन किया गया।

बजरंगबली की जयकारों से मंदिर गूंज उठा। पंकज शर्मा ने बताया कि हर मंगलवार को हनुमान चालीसा का पाठ किया जाता है। संस्था के अध्यक्ष चेतन सीरवी ने बताया कि इस मौके पर अनेक भक्त मौजूद रहे।

संतोष धन से ही हम लोभ पर विजय पा सकते हैं : युवाचार्य महेंद्र ऋषि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां चूलै स्थित तीर्थंकर अपार्टमेंट स्थानकवासी जैन संघ में विराजित श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी ने मंगलवार को प्रवचन में कहा कोई व्यक्ति जब नींबू निचोड़कर उसका रस किसी को देते हैं, वैसे ही जिनवाणी का आप रसपान करो। जिन का अर्थ है जीतने वाला और वे है जिनेश्वर, जिन्होंने राग-द्वेष कषायों को जीता है, जिन्होंने खुद को जीता है। हमारे राग-द्वेष की कमजोरियों को दो भागों में बांटा गया है क्रोध-मान, माया -लोभ। उन्होंने कहा लोभ किसी से छूटता नहीं है लेकिन जीवन में संतोष से जीएं तो लोभ को कम किया जा सकता है। समृद्धि, सामर्थ्य, गौरव का जो धन हमें मिला है, उससे भी अधिक संतोष धन आ जाए तो वह श्रेष्ठ है। यह संतोष ही है जिससे हम लोभ पर विजय पा सकते हैं। जो हमारे पास है, उसकी वेल्यू समझो। जो नहीं समझता है, वही लोभ है। सांसारिक जीवन में साधु से ज्यादा सुविधाएं, व्यवस्थाएं हैं, फिर भी साधु ज्यादा सुखी है, इसका कारण संतोष है।

उन्होंने कहा तन की तृष्णा तो सीमित है लेकिन मन की इच्छाएं अनंत है। हमें स्वयं की वेल्यू पता नहीं है। जो मिला है, उसका आनंद लो। उससे अधिक की तृष्णा मत करो, उसी में तृप्ति रखो। जो आपके पास है उसकी वेल्यू समझो तो इससे बढ़कर संतोष नहीं हो सकता है। मन जो कहता है उसका समाधान रखेंगे तो संतोष अपने आप आ जाएगा। हमने संतोष को कमजोरी बना दिया है। संतोष हमें हमेशा जीवन में प्रसन्न, तृप्त रखता है। हमारी जरूरत को हमने समझ लिया तो ज्यादा मांगेगे नहीं। अधिक पाने का लोभ हमारे जीवन के आनंद को छिन लेता है। लोभ अनेक प्रकार की समस्याएं पैदा करता है। लोभ पहले थोड़ा सा आता है लेकिन धीरे-धीरे वह बढ़ता जाता है। सामान्य जीवन में होने वाले लोभ की उलझनों का उदाहरण देते हुए युवाचार्य ने कहा कि जो अपने पास है, उसका आनंद लो, उसी में मेनेज करो, वही संतोष है। इसी प्रकार लोभ रुपी कषाय को दूर कर हम परमात्मा के दर्शनों को जीवन में आत्मसात करें। इस मौके पर सुभद्रा लुनावत ने युवाचार्य के प्रति कृतज्ञता स्वरुप अपने विचार व्यक्त किए।

चलकेरे में भजनों के माध्यम से याद किए गए आचार्य तुलसी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चलकेरे। शहर के महावीर जैन भवन में साध्वीश्री पावनप्रभाजी के सान्निध्य में अणुव्रत प्रवर्तक गणाधिपतिश्री तुलसी के 28 वें महाप्रयाण दिवस के अवसर पर भावांजलि कार्यक्रम धम्म जागरण) का आयोजन किया गया । साध्वी श्री पावनप्रभा जी द्वारा नमस्कार महामंत्र व तुलसी उपकारों की अमिट निशानी गीत के संगान के साथ कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ।

बेंगलूरु से आए गायक गुलाब बांठिया व देवेंद्र नाहटा ने भजनों के माध्यम से गुरुदेव तुलसी को भावांजलि अर्पित की। इस अवसर पर हिरियूर तेरापंथ सभा के अध्यक्ष जयंतिलाल चौपड़ा, चित्रदुर्गा तेरापंथ सभा के अध्यक्ष नेमिचन्द चौपड़ा सहित चित्रदुर्गा, हिरियूर, बल्लारी, गदग आदि क्षेत्रों से श्रावकों की अच्छी उपस्थिति रही । कार्यक्रम का संचालन देवराज चौपड़ा ने किया ।

डाक्टर दीपक ने दी घुटने व गठिया रोग की जानकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के बसवनगुड़ी स्थित जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान खरतरगच्छ महिला परिषद बेंगलूरु शाखा द्वारा आराधना भवन में अपोलो हॉस्पिटल के डॉक्टर दीपक इनामदार द्वारा घुटनों के गठिया रोग से बचने के उपाय व तरीके बताए तथा रोबॉटिक ऑपरेशन की जानकारी दी।

महिला परिषद की अध्यक्ष आरती जैन ने सभी का स्वागत किया। महिला परिषद द्वारा डॉक्टर दीपक इनामदार का सम्मान किया गया। महामंत्री रेखा चोपड़ा धन्यवाद देते हुए बताया कि महिला परिषद द्वारा अंतरिक्ष पार्श्वनाथ आदि तीर्थो के पूजा, दर्शन वंदन एवं खरतरगच्छाधिपति आचार्यश्री जिनमणिप्रभ सूरीश्वरजी के दर्शन वंदन करने ट्रेन यात्रा संघ प्रस्थान करेगा। यह जानकारी परमेश्वरी संखलेचा ने दी।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के कर्नाटक रक्षणा वेदिके के प्रदेश कार्यालय गांधीनगर में आयोजित कार्यक्रम में महेंद्र मुणोत को सम्मानित करते हुए संस्था के प्रदेश अध्यक्ष नारायण गौड़ा एवं अन्य। ज्ञातव्य है कि दो दिन पूर्व ही महेन्द्र मुणोत का जन्मदिन था उसी उपलक्ष्य में उनका सम्मान किया गया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.